दैनिक

प्रातः कालीन

www.knsllive.com

मुरादाबाद से प्रकाशित

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI NO.UPBIL/2021/83001

वर्ष-04 अंक-304 मुरादाबाद,
25 February, 2025 (Tuesday)

मूल्य- 03 रूपये पृष्ठ-08

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीजीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,अलीगढ़, संभल, श्रावस्ती,अलीगढ़ और उत्तराखंड

page 3 मोटे अनाज के महत्व पर जागरूकता हेतु 'मिलेट्स कार्यक्रम'

page 5 निलंबित चकबंदी लेखपाल गिरोह के आरोपी को पुलिस

page 6 दोस्त संग प्रेग्नेंट जेनिफर लॉरेंस की आउटिंग

महाकुंभ पर टिप्पणी को लेकर भड़के सीएम

गिद्धों को लाशें नजर आती हैं सनातन की सुंदरता नहीं :सीएम

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ को लेकर टिप्पणी करने पर विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने महाकुंभ में अव्यवस्था और भगदड़ के मुद्दे पर जवाब देते हुए कहा कि समाजवादियों और वामपंथियों को सनातन की सुंदरता रास नहीं आ रही है। उन्होंने एक सोशल मीडिया टिप्पणी के माध्यम से विपक्ष को जवाब देते हुए कहा कि महाकुंभ में जिसने जो तलाशा उसे वो मिला। गिद्धों को केवल लाश मिली। सुअरों को गंदगी मिली। संवेदनशील लोगों को रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर मिली। आस्थावानों को पुण्य मिला। गरीबों को रोजगार मिला। अमीरों को धंधा मिला। श्रद्धालुओं को साफसुथरी व्यवस्था मिली। पर्यटकों को अव्यवस्था मिली। सद्भावना वाले लोगों को जातिरहित व्यवस्था मिली। एक ही स्थान पर सभी जाति के लोगों ने स्नान किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ को लेकर किए जाने वाले प्रश्न समाजवादियों और वामपंथियों की नीयत को दशार्ते हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ की व्यवस्थाओं को मैंने खुद देखा है। सपा सरकार में हुए कुंभ में एक गैर सनातनी को कुंभ का प्रभारी बना दिया गया था क्योंकि तब के मुख्यमंत्री के पास इसके लिए समय नहीं था। मुख्यमंत्री योगी ने राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा नेताओं के व्यवहार को लेकर भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि ये लोग संविधान की बात करते हैं। लोकतंत्र की बात करते हैं और महापुरुषों के सम्मान की बात करते हैं लेकिन राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा के लोगों का जो आचरण था वो बताता है कि वो संविधान के बारे में क्या सोचते हैं। 16 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन के आयोजनों से यूपी को नई पहचान मिली है। प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा बदली है। प्रदेश की कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। यही कारण है कि लाखों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आ रहे हैं। हम लोगों ने अब तक 16 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा है जिससे कि 60 लाख युवाओं को रोजगार मिला है। ये डबल इंजन की सरकार का ही परिणाम है कि आज दुनिया भर के देश यूपी में निवेश के लिए आ रहे हैं।

पीएम का लालू यादव पर बड़ा हमला

जंगलराज वालों को हमारी आस्था से नफरत है:पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महाकुंभ पर अपनी टिप्पणी के लिए राजद प्रमुख लालू यादव पर तीखा हमला किया और कहा कि जंगलराज में शामिल लोगों को हिंदू आस्था और विश्वास से नफरत है। मोदी ने कहा कि इस समय प्रयागराज में एकता का महाकुंभ चल रहा है। ये भारत की आस्था का, भारत की एकता और समरसता का सबसे बड़ा महोत्सव है। पूरे यूरोप की जितनी जनसंख्या है, उससे भी अधिक लोग इस एकता के महाकुंभ में स्नान कर चुके हैं, लेकिन ये जंगलराज वाले महाकुंभ को गाली दे रहे हैं। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि राम मंदिर से ?चिढ़ने वाले लोग महाकुंभ को भी कोसने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। मैं जानता हूं, महाकुंभ को गाली देने वाले लोगों को बिहार कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि ठऊभ सरकार भारत की

गौरवशाली विरासत के संरक्षण और वैभवशाली भविष्य के निर्माण के लिए एक साथ काम कर रही है। लेकिन ये जो जंगलराज वाले हैं, इन्हें हमारी धरोहर से, हमारी आस्था से नफरत है। उनकी यह टिप्पणी इस महीने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ से हुई मौतों पर प्रतिक्रिया देते हुए लालू द्वारा महाकुंभ को अर्थहीन बताए जाने के कुछ दिनों बाद आई है। लालू ने कहा था, "कुंभ का कोई मतलब नहीं है...यह बिल्कुल निरर्थक है।" बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उनके बयान को "तुष्टीकरण की राजनीति" कहा था। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मेरा तो सपना है, दुनिया की हर रसोई में भारत के किसान का उगाया कोई न कोई उत्पाद होना ही चाहिए। इस वर्ष के बजट ने भी इसी विजन को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा किबजट में 'पीएम धन धान्य योजना' की घोषणा की गई है। इसके तहत देश के 100 ऐसे जिलों की पहचान की जाएगी, जहां सबसे कम फसल उत्पादन होता है। फिर ऐसे जिलों में खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। बीते वर्षों में सरकार के प्रयासों से भारत का कृषि निर्यात बहुत अधिक बढ़ा है।

जीप और बस की टक्कर में 6 की मौत, दो अन्य घायल

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में सोमवार सुबह प्रयागराज कुंभ से आ रही एक तेज रफ्तार जीप और एक बस के बीच टक्कर हो जाने से छह लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जबलपुर के जिलाधिकारी दीपक सक्सेना ने बताया कि यह घटना खितौला थाना क्षेत्र के पहरेवा गांव के पास उस समय हुई जब कर्नाटक की पंजीकरण संख्या वाली जीप उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से लौट रही थी। उन्होंने बताया कि जीप चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया जिसके बाद जीप पहले एक पेड़ से टकराई और फिर राजमार्ग के दूसरी ओर उछलकर विपरीत दिशा से आ रही एक बस से टकरा गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, जिन्हें सिहोरा कस्बे में एक चिकित्सा केन्द्र में प्रारंभिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि ये लोग प्रयागराज से लौट रहे थे और जबलपुर होते हुए कर्नाटक की ओर जा रहे थे।

राजस्थान विधानसभा के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का भारी विरोध प्रदर्शन, पुलिस ने लगाए बैरिकेड्स

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी के संबंध में भाजपा मंत्री के बयान के बाद पार्टी के छह विधायकों को निलंबित किए जाने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को राजस्थान विधानसभा के बाहर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने बैरिकेड्स लगा दिए हैं और सुरक्षा बढ़ा दी है। कांग्रेस कार्यकर्ता विधानसभा को घेरने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके चलते पुलिस के साथ उनकी झड़प हुई है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा शुक्रवार को विधानसभा में विपक्षी बेंच की ओर इशारा करते हुए 'आपकी दादी' टिप्पणी के बाद विपक्ष भड़क गया। मंत्री ने कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास के संबंध में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, 2023-24 के बजट में भी, हमेशा की तरह, आपने (कामकाजी महिला छात्रावास पर) योजना का नाम अपनी 'दादी' इंदिरा गांधी के नाम पर रखा। कांग्रेस विधायकों ने टिप्पणी पर आपत्ति जताई और वेल में आ गए और मंत्री से माफी की मांग की। तीन बार के स्थगन के बाद शाम चार बजे सदन दोबारा शुरू हुआ तो सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कांग्रेस विधायकों को निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने सभी हदें पार कर दीं और उनका आचरण अध्यक्ष के प्रति अनुचित था, जिसे माफ नहीं किया जा सकता। प्रस्ताव को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया, जिसके बाद अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सदन को 24 फरवरी सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। इसके बाद, राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विपक्ष के उपनेता रामकेश मीणा और अन्य सहित निलंबित विधायकों ने सदन के वेल में रात बिताई।

संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में अधिक महिलाओं को शामिल करना जरूरी :राष्ट्रपति

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में अधिक संख्या में महिलाओं को शामिल करना जरूरी है क्योंकि वे लैंगिक हिंसा से निपटने, विश्वास कायम करने और संवाद को बढ़ावा देने में बेहतर ढंग से सक्षम हैं। यह बात राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कही। राष्ट्रपति भवन में मुलाकात करने आए महिला शांति सैनिकों के एक समूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शांति मिशन में महिलाओं की उपस्थिति इसे और अधिक विविध और समावेशी बनाती है। राष्ट्रपति ने कहा, महिला शांति सैनिकों की स्थानीय समुदायों तक बेहतर पहुंच होती है और वे महिलाओं और बच्चों के लिए आदर्श बन सकती हैं। वे लिंग आधारित हिंसा से निपटने, विश्वास बनाने और संवाद को बढ़ावा देने के लिए बेहतर ढंग से सक्षम हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि जिन शांति मिशनों में महिला कर्मियों का प्रतिशत अधिक है, वे हिंसा को कम करने तथा दीर्घकालिक शांति समझौते प्राप्त करने में अधिक प्रभावी रहे हैं। उन्होंने कहा, इसलिए यह आवश्यक है कि हम संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में अधिकाधिक महिलाओं को शामिल करें। संयुक्त राष्ट्र के 50 से अधिक मिशनों में 2.90 लाख से अधिक भारतीय सैनिकों ने दी है सेवा राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में योगदान के भारत के गौरवशाली इतिहास को याद किया। भारत के 2,90,000 (2.90 लाख) से अधिक शांति सैनिकों ने 50 से अधिक मिशनों में अपनी सेवा दी है। मुर्मू ने कहा, आज, अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए, नौ सक्रिय मिशनों में 5,000 से अधिक भारतीय शांति सैनिक तैनात हैं, जो अक्सर प्रतिकूल परिस्थितियों में भी तैनात रहते हैं। राष्ट्रपति ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय महिला शांति सैनिक अपने कर्तव्य के निर्वहन में आगे रहीं हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, आज, छह संयुक्त राष्ट्र मिशनों में 154 से अधिक भारतीय महिला शांति सैनिक तैनात हैं। 1960 के दशक में कांगो से लेकर 2007 में लाइबेरिया में पुलिसिंग तक, हमारी महिला शांति सैनिकों ने व्यावसायिकता और आचरण की उच्चतम परंपराओं का प्रदर्शन किया है। शांति स्थापना में महिलाएं: एक वैश्विक दक्षिण परिप्रेक्ष्य विषय पर दिल्ली में हो रहा सम्मेलन राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, महिला शांति सैनिक शांति स्थापना में महिलाएं: एक वैश्विक दक्षिण परिप्रेक्ष्य विषय पर एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में हैं, जिसका आयोजन विदेश मंत्रालय की ओर से रक्षा मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र, नई दिल्ली के साथ साझेदारी में किया जा रहा है। इस सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक दक्षिण की महिला अधिकारियों को एक मंच पर लाकर शांति स्थापना से जुड़ी समकालीन प्रासंगिक मुद्दों और शांति स्थापना मिशनों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा करना है।

राहुल के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई 6 मार्च तक स्थगित

सुलतानपुर। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के एक मामले में सुलतानपुर की विशेष एमपी/एमएलए अदालत ने सोमवार को मामले की सुनवाई वादी के वकील द्वारा हाजिरी माफी की अर्जी दिये जाने के कारण आगामी छह मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि 11 फरवरी को सुनवाई की पिछली तारीख में शिकायतकर्ता से जिरह की गई थी। जिरह पूरी होने के बाद 24 फरवरी की तारीख तय की गई थी लेकिन चूंकि शिकायतकर्ता के वकील संतोष कुमार पांडे हाजिरी माफी मांगते हुए आज अदालत में पेश नहीं हुए इसलिए न्यायालय ने अगली सुनवाई की तारीख छह मार्च तय की है। यह मामला साल 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के बारे में गांधी द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। इस मामले में स्थानीय भाजपा नेता मिश्रा ने परिवाद दायर किया था। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के हनुमानगंज के रहने वाले मिश्रा ने 2018 में दर्ज कराये गये मामले में आरोप लगाया था कि गांधी ने वर्ष 2018 में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी जिससे उन्हें ठेस पहुंची है। पिछले पांच वर्षों में इस मामले में कई बार कार्यवाही हुई, लेकिन गांधी अदालत में पेश होने में विफल रहे। दिसंबर 2023 में वारंट के बाद गांधी अदालत में पेश हुए। फरवरी 2024 में कांग्रेस नेता ने समन का पालन किया और विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के मुचलकों पर जमानत दे दी।

सीएम कार्यालय के बाहर आप विधायकों का प्रदर्शन

महिलाओं को 2500 रुपये की सहायता देने की मांग की

नई दिल्ली। दिल्ली में नई कैबिनेट का पहला सत्र रेखा गुप्ता के विधायक के रूप में शपथ लेने के साथ शुरू होने के तुरंत बाद, आतिशी और कुछ अन्य विधायकों सहित विपक्षी नेताओं ने मुख्यमंत्री कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और महिला लाभार्थियों को 2,500 रुपये की सहायता की मांग की। आतिशी ने कहा कि हमने पिछले 2 दिनों से मुख्यमंत्री से समय मांगा था, हमें 2 दिनों तक समय नहीं मिला और आज हम सत्र के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी से मिलने गए और हमने उन्हें बताया कि पहली कैबिनेट में जो वादा किया गया था, मोदी जी ने जो गारंटी दी थी, वह वादा टूट गया है, वह गारंटी झूठी साबित हुई है। आप नेता ने कहा कि हमें उम्मीद है कि 8 मार्च को दिल्ली की हर महिला के खाते में महिला सम्मान योजना की 2500 रुपये की पहली किस्त जरूर आ जाएगी। यह विरोध रेखा गुप्ता के उस आरोप के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि पिछली आप सरकार ने भाजपा सरकार से पहले खाली सरकारी खजाना छोड़ दिया था, और आश्वासन दिया था कि महिलाओं के लिए 2,500 रुपये मासिक भुगतान योजना को विस्तृत योजना के साथ लागू किया जाएगा। गुप्ता की पूर्ववर्ती आतिशी ने पलटवार करते हुए कहा कि दस साल बाद आप शासन ने भाजपा को "राजकोषीय रूप से मजबूत" सरकार सौंपी। उन्होंने कहा कि पार्टी को बहाने बनाने के बजाय अपने वादों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। गुप्ता ने नवगठित आठवीं दिल्ली विधानसभा के सोमवार को होने वाले पहले सत्र से पहले राज्य पार्टी कार्यालय में अन्य भाजपा विधायकों के साथ एक बैठक में भाग लिया। बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, नवनियुक्त मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला समृद्धि योजना के कार्यान्वयन पर अधिकारियों के साथ कई चरणों की बैठकें हो चुकी हैं, जिसके तहत दिल्ली में पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह का भुगतान किया जाना है।

सीएम ममता ने आरजी कर कांड की पीड़िता को बताया बहन

दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज दुष्कर्म-हत्याकांड की पीड़िता को अपनी बहन बताया। उन्होंने कहा कि पीड़िता के परिवार के साथ उनकी संवेदनाएं हैं। उन्होंने अपराध के जिम्मेदारों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। धोनो धान्यो ऑडिटोरियम में सीनियर, जूनियर डॉक्टर और मेडिकल छात्रों को संबोधित करते हुए सीएम ममता

बनर्जी ने पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए सरकार की ओर से किए गए प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम अपराजिता विधेयक लेकर आए। जिसमें दुष्कर्म के दोषियों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। ममता बनर्जी ने कहा कि आरजी कर अस्पताल में मारी गई बहन के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। हम इस मामले में उचित सजा की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं भी घटना के विरोध में सड़क पर उतरी थी। हमारी सरकार ने अपराजिता विधेयक पारित किया था, लेकिन यह अभी राष्ट्रपति के पास लंबित है। उन्होंने कहा कि मैं अपने भाइयों को हमारी बहनों की सुरक्षा करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने की जिम्मेदारी सौंपती हूं। यहां आज कोई लैंगिक असमानता नहीं है। यह बहुत ही सकारात्मक विकास है। सरकार निश्चित रूप से अपना काम करेगी, लेकिन मेरा मानना है कि मेरे भाई इस मामले में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। क्या है अपराजिता विधेयक पश्चिम बंगाल विधानसभा ने तीन सितंबर को सर्वसम्मति से 'अपराजिता महिला और बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून और संशोधन) विधेयक 2024' पारित किया, जिसमें दुष्कर्म के दोषियों के लिए मृत्युदंड की मांग की गई है।

दिल्ली की आठवीं विधानसभा का पहला सत्र शुरू, प्रोटेम स्पीकर बने अरविंदर सिंह लवली

नई दिल्ली। नवगठित दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र सोमवार को शुरू हुआ। इसके साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 26 वर्षों के बाद सत्ता में वापसी हुई तथा उसके विधायक सदन में विधानसभा अध्यक्ष के आसन के दाहिने ओर बैठे। सत्र शुरू होने से पहले राज निवास में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली को प्रोटेम स्पीकर (अस्थायी विधानसभा अध्यक्ष) के रूप में शपथ

दिलाई। सबसे वरिष्ठ विधायक होने के नाते लवली सभी नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण की देखरेख करेंगे। सबसे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शपथ ली। फिर उनके मंत्रिमंडल के छह मंत्रियों ने शपथ ली और फिर शेष विधायकों ने शपथ ली। कार्यवाही की शुरूआत विधायकों ने वंदे मातरम के साथ की। सत्र की कार्यवाही देखने के लिए भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा विधानसभा अध्यक्ष दीर्घा में मौजूद थे।

Editorial

Trump's peace offensive

As the war in Ukraine enters its third year, US President Donald Trump is trying to broker peace. However, his approach has sparked controversy, as it appears to sideline Ukraine in key negotiations. With Russia still holding a significant portion of Ukrainian territory, the implications of this initiative could reshape the geopolitical landscape of Europe and beyond. The critical questions remain: What would a Trump-led peace deal entail? How would it affect Ukraine's sovereignty? And what choices do Ukraine and Europe have in response? If Ukraine is sidelined in these negotiations, it could be pressured into accepting a deal that legitimises Russia's territorial gains, effectively rewarding aggression. For Russia, such an outcome would be a strategic victory, allowing it to retain control over nearly a fifth of Ukraine's land, including areas it currently does not fully control. A peace deal without Ukraine's full participation and interests at its core would have profound consequences. The Ukrainian government has consistently maintained that any agreement must include the restoration of its 1991 borders and accountability for war crimes committed during the invasion. However, a Trump-negotiated settlement could pressure Kyiv into compromising its sovereignty in exchange for an end to hostilities. For Europe, such a scenario would be equally troubling. If Russia emerges from the conflict with territorial gains, it could embolden further aggression against NATO's eastern flank. The Kremlin's broader objective has always been to reverse the strategic impact of the Soviet Union's collapse and limit the sovereignty of Eastern European nations. A weakened Ukraine would shift the burden of deterrence squarely onto NATO's shoulders, requiring significant military investments and commitments to prevent further Russian expansion. The effectiveness of Trump's initiative is highly uncertain. While a ceasefire might reduce immediate bloodshed, it would not necessarily lead to lasting stability. If Ukraine is forced into a compromised peace, resistance movements could emerge, leading to prolonged low-intensity conflict. Additionally, the global implications of a weakened Ukraine extend beyond Europe. A victorious Russia could inspire China to take a more aggressive stance on Taiwan, believing that the West lacks the resolve to uphold international law. Trump's initiative to end the Ukraine war could mark a turning point in the conflict, but the manner in which it is pursued will determine its impact. If Ukraine is sidelined and forced into territorial concessions, the consequences could be dire—not just for Kyiv but for the entire European security framework. While a peace deal might bring temporary relief, a settlement that fails to address Ukraine's sovereignty could embolden Russia and reshape the global balance of power in ways that will be felt for decades to come. The choices made in the coming months will define the future of Ukraine, Europe, and world security.

A reminder of Delhi's seismic vulnerability

In the early morning of February 17, 2025, the residents of Delhi-NCR awakened by a sudden unexpected jolt awakening due to a tremor. A 4.0-magnitude earthquake struck the region, with its epicentre located near Dhaula Kuan, Delhi, sending shockwaves throughout the city along with neighbouring NCR. Although the quake was relatively minor, its impact felt stronger because it originated from a shallow depth and was intensified by widespread fear of bigger earthquakes. People hurriedly evacuated their homes, buildings swayed and social media was abuzz with concern. This event served as yet another reminder that Delhi remains dangerously vulnerable to seismic shock vulnerability to seismic activity. Delhi hazardously sits on several active fault lines, including the Delhi-Haridwar Ridge and the Mahendragarh-Dehradun fault. The city falls in Seismic Zone IV and is recognised as being at high risk for earthquakes. Its closeness to the Himalayas, one of the most seismically active areas globally, further increases its risk. According to geoscientists, the Indian plate is continually pushing beneath the Eurasian plate at a rate of about 47 mm per year, generating significant underground stress. When this stress is released, it results in earthquakes—ranging from minor to devastating. History has shown us the potential destruction of earthquakes. The 2001 Bhuj earthquake in Gujarat, which registered 7.7 on the Richter scale, resulted in over 20,000 fatalities and left entire towns in rubble. If a similar earthquake event were to strike Delhi-NCR, the aftermath could be even more disastrous. Simulations from global seismic studies, including the USGS PAGER system and the GEM Global Seismic Risk Map, indicate that a 7.7-magnitude earthquake in Delhi could result in between 150,000 to 250,000 deaths. The combination of a dense population, ageing infrastructure, and unplanned urbanisation makes the capital particularly vulnerable to widespread devastation. One major concern facing the city is the quality of construction. Many buildings, especially in older areas and unauthorised settlements, are not designed to endure strong earthquakes. Although there are strict regulations set by the National Building Code and the Bureau of Indian Standards (BIS), enforcement often remains weak. High-rise buildings and even some government facilities in the region frequently lack the necessary retrofitting to enhance their earthquake resistance. With over 30 million people living in Delhi-NCR, the scale of destruction from a significant earthquake could be unimaginable.So, what steps can be taken? Demolishing all unsafe buildings and reconstructing them with seismic-resistant technology is neither practical nor economically viable. However, sincere efforts can be made to raise awareness about the earthquake risk and ensure people are prepared for a potential major earthquake in Delhi. First and foremost, raising awareness and ensuring preparedness should be a top priority. Every household needs to have a well-defined earthquake survival plan. Schools and workplaces should regularly conduct earthquake drills to prepare individuals for how to react during tremors. Simple actions, like securing heavy furniture, identifying safe areas in homes, and having emergency kits ready, can greatly improve safety. The government also needs to take necessary actions in this regard. A comprehensive structural audit of buildings, particularly those constructed before modern seismic standards were established, is urgently required. Buildings that fail to meet safety criteria should be reinforced and retrofitted. It is essential to enforce the use of earthquake-resistant construction methods in new projects. Retrofitting at-risk buildings may be expensive, but it is a crucial investment for protecting lives. Additionally, public infrastructure needs to be reassessed. Bridges, flyovers, and metro stations need to be evaluated for their ability to withstand seismic activity. Several cities like Tokyo and San Francisco have successfully implemented advanced technology to make buildings more earthquake-proof. Delhi should look to these global examples to reduce the risk of widespread casualties.

US exits Paris Agreement again: A setback for global climate action?

The newly elected president, Donald J. Trump has ordered the withdrawal of the United States from Paris Agreement on global warming for the second time, the first official exit being on November 4, 2020. The question is-Will the global momentum to cut emissions get stalled once again, as has happened in the past? Will other countries fill up the void or will we witness reduced contributions? Though the withdrawal announcement of the world's biggest economy aligns with America first in international environmental agreements, can it disrupt the international climate diplomacy, at a critical moment of the climate crisis? With 200 countries committing towards reducing greenhouse gas emissions (GHG) and keeping the global temperature rise below 1.5 degrees Celsius, the signing of the Paris Agreement in 2015 showcased the collective accountability and shared responsibility of nations in addressing climate issues. In his tenure, the former president, Joseph R Biden Jr has often communicated the vital role of the US in leading the world in curbing fossil fuel pollution. The support to developing countries for transitioning to renewable energy, building resilient infrastructure and adapting to climate change is essential to mitigate the adverse consequences of the phenomenon and pace up the global progress on emission reduction. This is in sharp contrast to the recent, yet not surprising announcement. Mr. Trump has often referred to it as an unfair and one-sided agreement that permits the South, particularly China and India to free-ride the economic burden of the North. With less than a year for it to be effective, the U.S. will soon find itself with the other three countries- Iran, Libya and Yemen- of not being a party to the Paris agreement. This further raises the question of whether must all the countries contribute equally in terms of efforts and resources. Though the principle of "Common but Differentiated Responsibility" has been undermined at all successive CoPs, does it imply that the developed countries can default on their financial commitments and jeopardise the global climate commitment? With the announcement of US retrenchment from the agreement in 2017 and the beginning of the formal withdrawal process, the International Energy Agency reported that global energy-related CO2 emissions increased by 1.7 per cent in 2018, after a steady decline over the last three years. In recent times, as is already known that the NDCs of individual countries are not in pace with the Paris pact goal. With the withdrawal of the US, will it imply that countries will have to make greater reductions in emissions?Will it be possible? However, the key lessons learned from this episode underscore the importance of political stability for long-term climate commitments. As an outcome, countries like China will take advantage of this situation by leveraging themselves as reliable and committed partners in global climate leadership. It will also halt the mitigation and adaptation efforts of developing countries due to the disrupted support from developed countries. Ceased contribution of the U.S. to the Green Climate Fund will hinder the availability of critical resources for developing countries. This tops up the already low pledges announced in COP29 at Baku this year compared to the demand by developing countries. All of this can disrupt critical alliances, deviate nations to scale down their climate commitments and impact the world's ability to fight climate change. The U.S. withdrawal from the Paris Agreement raises urgent concerns about global climate action. As nations strive to meet climate goals, America's absence could weaken commitments, disrupt funding, and shift leadership dynamics. The world must now adapt, ensuring collective progress continues despite political instability and shifting priorities in international climate diplomacy.

मोटे अनाज के महत्व पर जागरूकता हेतु 'मिलेट्स कार्यक्रम' का आयोजन

खबर श्रावस्ती उत्तर प्रदेश रिपोर्ट देवी पाटन मंडल ब्यूरो प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्तीं 25वीं वाहिनी मुख्यालय, घिटोरनी, नई दिल्ली में 'मिलेट्स कार्यक्रम' का आयोजन किया गया, जिसका लाइव प्रसारण 62वीं वाहिनी एसएसबी मुख्यालय, भिनगा में श्री अमरेन्द्र कुमार वरुण कमान्डेंट 62वीं वाहिनी भिनगा के नेतृत्व में वाहिनी के समस्त अधिकारियों व जवानों और संदीक्षा परिवार के सदस्यों के द्वारा देखा गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली को प्रोत्साहित करने हेतु मोटे अनाज (मिलेट्स) के उपयोग को बढ़ावा देना था। इस लाइव प्रसारण के सेमिनार में भारत के वैज्ञानिक व मिलेट मैन के नाम से मशहूर पदमश्री डॉ. खादर वल्ली दुदेकुला ने एसएसबी के सभी जवानो एवं संदीक्षा सदस्यों को संबोधित किया। इस सत्र में डॉ. वल्ली ने मिलेट से जुड़े अपने अनुभव और शोध साझा किए और मिलेट के सेवन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि आधुनिक जीवनशैली में बाजरे को शामिल करने से स्वास्थ्य को नई दिशा मिल सकती है, हमारी पारंपरिक खाद्य विरासत को संरक्षित किया जा सकता है और स्वस्थ भविष्य की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। अपने संबोधन में डॉ. वल्ली ने कहा, ष्बाजरा भारतीय संस्कृति और कृषि परंपरा का अभिन्न अंग है। यह न केवल हमारे शरीर को पोषण देता है, बल्कि बीमारियों को रोकने और स्वास्थ्य को बनाए रखने में भी मदद करता है। अगर आपका खान–पान सही है, तो आपको दवा की ज़रूरत नहीं पड़ेगी, लेकिन अगर आपका खान–पान गलत है, तो कोई भी दवा काम नहीं करेगी। इसलिए, अगर आप स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो अपने आहार में बाजरा शामिल करें।ष उन्होंने बाजरा और उसके लाभों से संबंधित अपने शोध के बारे में विस्तार से बताया, और इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे वे मधुमेह, हृदय रोग और मोटापे जैसी जीवनशैली संबंधी बीमारियों का समाधान कर सकते हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की नहर में तैरती मिली लाश

मृतक व्यक्ति का पीछे मोफलर से बंधे हुए थे दोनों हाथ , परिजनों ने गाँव के ही जगतराम पर लगाया हत्या का आरोप

जिला ब्यूरो चीफ क्राइम राजकुमार पाठक बहराइच

बहराइच, के थाना रानीपुर क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई लाश गाँव से दूर नहर पर बने बैराज के पास नहर में तैरती मिली जिसके दोनों हाथ पीछे मोफलर से बंधे हुए थे, नहर में लाश देखकर आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई जिसकी सूचना ग्राम प्रधान को दी मौके की स्थिति देखकर प्रधान द्वारा पुलिस वा परिजनों को सूचना दी गई । मौके पर पहुंच कर पुलिस ने परिजनों के साथ मिलकर लाश को बाहर निकाला पुलिस द्वारा लाश का पंचनामा कर अंत परीक्षण हेतु अंत परीक्षण ग्रह भिजवाया है, परिजनों ने गाँव के ही जगत राम पर हत्या कर लाश नहर में फेंके जाने का आरोप लगाया है,थाना रानीपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत दुर्गापुर निवासी फूलन पत्नी फूलचंद्र 50 ने बताया कि कई दिनों से गाँव के जगत राम मेरे पति को मार डालने की बात कर रहे थे और हमारी उनसे कई बार थाना रिपोर्ट भी हो चुका है लेकिन यह रंजिश का सिलसिला लगातार चलता रहा और आज मेरी पति को मार डाला मृतक के कुल 6 बच्चे थे जिसमें 3 की शादी हो गई है और 3 अभी नाबालिग है जिसमें 2 लड़के और 1 लड़की है युवक की मौत से उसकी पत्नी का रो रोकर बुरा हॉल है परिजनों में अत्यंत दुःख का माहौल है गाँव में सन्नाटा पसरा हुआ है थानाध्यक्ष रानीपुर ने बताया कि रिपोर्ट मिली है घटना उच्च स्तरीय अधिकारियों के संज्ञान में है पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने पर बिधिक ठोस कार्यवाही की जाएगी। हत्या से गाँव में सन्नाटा पसरा हुआ है तथा मातम का माहौल है।

रिठौरा में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई बोर्ड परीक्षाएं

रिठौरा। प्रयागराज द्वारा आयोजित हाईस्कूल इण्टरमीडिएट बोर्ड की परीक्षाएं सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दो पालियों में आयोजित की गई।नगर के दरबारी लाल शर्मा इण्टर कॉलेज में प्रथम पाली हाईस्कूल में कुल पंजीकृत 608 परीक्षार्थियों में 567 ने परीक्षा

दी।47 ने परीक्षा छोड़ दी। वहीं इण्टरमीडिएट द्वितीय पाली में सामान्य हिन्दी में पंजीकृत 402 में 365 ने साहित्यक हिंदी में पंजीकृत 145 में 140 ने परीक्षा दी 05 ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी भोजीपुरा विवेक शर्मा ने औचक निरीक्षण किया।इस दौरान स्ट्रेटिक मजिस्ट्रेट प्रीति केन्द्र व्यावस्थापक आशीष कुमार सिंह, अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक वेदप्रकाश गौतम, डॉ हरमीत सिंह, कुसुम गंगवार, रघुवीर सरन, लोकेश कुमार, अमरेश गंगवार, राजपाल सिंह,सिद्दी सिंह,गिरजेश बाला, रामसिंह , डॉ सर्वेश कुमार ब्रजेश शर्मा, वरूण वर्मा एस आई तुलसीदास सहित भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

स्वपनों का जीवन जीने की कला विषय पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

रिठौरा।खण्डेलवाल महाविद्यालय में एनसीसी कैडेट्स के लिए स्वपनों का जीवन जीने की कला विषय पर एक प्रेरणादायक कार्यशाला

का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस कार्यशाला की मुख्य वक्ता श्रद्धा खंडेलवाल जी ने कैडेट्स को बताया कि अपने सपनों को साकार करने के लिए हमेशा सकारात्मक सोच अपनाना चाहिए। इस ब्रह्मांड में जितने भी लोग हमारे सपनों को साकार करने में अपना योगदान देते हैं हमें सदैव उनको धन्यवाद देना चाहिए। हमें अपने लक्ष्य को पाने के लिए सदैव उसको दोहराते रहना चाहिए, जिससे हम अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। खण्डेलवाल ने कार्यशाला के दौरान एनसीसी कैडेट्स द्वारा पूछे गए प्रश्नों का बहुत ही सरल भाव से उत्तर दिया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण लेफ्टिनेंट रचना के द्वारा दिया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कल्पना कटियार द्वारा किया गया। कार्यशाला का कुशल संचालन एनसीसी कैडेट सृष्टि शर्मा ने किया। इस कार्यशाला द्वारा एनसीसी कैडेट्स को अपने जीवन को अधिक सकारात्मक और लक्ष्यपूर्ण बनाने की प्रेरणा मिली ।

शिव रात्रि पर्व में खलल डालने वालों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर

रिठौरा। सनातनी परम्परानुसार लगने वाले प्राचीन शिवरात्रि मेले एवं शोभायात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन खासा सतर्क है।किसी प्रकार की खुराफात करने वाले सीधे जेल जाएंगे। थानाध्यक्ष हाफिजगंज, इज्जतनगर ने अपने –अपने क्षेत्रों में लगने वाले मेलों एवं शोभायात्राओं के विषय में आयोजकों से चर्चा करते हुए रूट चेक किए। मुंडिया अहमदनगर में तीन दिवसीय मेले का आयोजन पूर्व प्रधान वेद प्रकाश पटेल के नेतृत्व में किया जाता है। वहीं रिठौरा में महन्त पूरनलाल कश्यप व्यवस्था को देखते हैं।

अकराबाद में भव्य निशान शोभायात्रा का हुआ आयोजन

लवकुश ठाकुर
क्यों ना लिखूं सच

अलीगढ़ अकराबाद रू सोमवार को कस्बा के मुख्य बाजार में बाबा खाटू श्याम निशान शोभायात्रा का भव्य आयोजन बालाजी मंदिर से आरंभ होकर पथवारी स्थित श्याम मंदिर पर समापन हुआ। शोभायात्रा के दौरान रास्ते में जगह जगह पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। इस दौरान बाबा श्याम के भक्तों ने हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा गगन भेदी नारे लगाए। शोभायात्रा के दौरान वार्ष्णेय परिवार के नीरज कुमार, अभिषेक, देव,थवन, अमित,सुमित, राजा, ओमान्स,दिवाकर सक्सेना, सुनील शर्मा, पंकज सैनी,मंटू यादव, भोला यादव,जवाहर पुजारी जी,मोहित शनि, अर्जुन, सुरेंद्र मोर्य, रजनी देवी, कुमकुम शर्मा, ममता शर्मा, जया वार्ष्णेय, मुरारी लाल मैथिल ब्राह्मण, अमर मौर्य, विकास शर्मा, कपिल, ललित, वंश, रूपेश ठाकुर, आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

हिन्दी में एमसीक्यू ने छात्रों के छुड़ाए पसीने, जय माता दी करके लगाया टिक

लखनऊ। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंडटमीडियट की परीक्षाएं आज, 24 फरवरी से शुरू हो गई है। लेकिन प्रयागराज में आज होने वाली परीक्षा कुंभ के चलते स्थगित कर दी गई। यह परीक्षा प्रयागराज में 9 मार्च को कराई जाएगी। यह फैसला जिला प्रशासन की तरफ से लिया गया है। प्रदेशभर में 8,140 केंद्रों पर 54 लाख से ज्यादा बच्चे इस परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। पहला एग्जाम हिंदी का हुआ। एग्जाम देकर लौट रहे 10वीं के छात्रों के कई तरह से रिक्शन देखने को मिले। किसी ने कहा कि एग्जाम बहुत कठीन था, तो किसी ने कहा कि इससे सरल पेपर तो देखा ही नहीं। जब छात्रों से पूछा गया कि एग्जाम में सबसे कठीन क्या लगा इस पर उन्होंने कहा कि एमसीक्यू सॉलव करने में पसीने छूट गए। कुछ छात्रों ने कहा कि पेपर ज्यादा लंबा था की निबंध लिखने के समय काफी कम मिला। ऐसा लग रहा थी की कहीं पेपर रह न जाए। 10 वीं के छात्र ने बताया कि जय माता दी करके कुछ जगाहों पर टिक लगा दिया और आगे बढ़ गए जिससे कहीं आगे का पेपर न रह जाए। परीक्षा के बीच लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर ने राजकीय जुबली इंटर कॉलेज स्थित जनपद स्तरीय कंट्रोल रूम और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की परीक्षा केंद्रों पर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया इसके साथ अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया जाए। राजकीय जुबली इंटर कॉलेज में स्थित जनपद स्तरीय कंट्रोल रूम में जनपद के सभी परीक्षा केंद्रों की लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है। इस कंट्रोल रूम में लगे वॉयस रिकॉर्डिंग युक्त सीसीटीवी कैमरों से हर परीक्षा केंद्र पर नजर रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने मॉनिटरिंग कर रहे कर्मचारियों से बातचीत भी किया और उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली। कंट्रोल रूम में दो शिफ्टों में 10-10 कर्मियों की टीम लगातार परीक्षा की निगरानी कर रही है। आपको बता दें कि छात्रों का आज हिन्दी का एग्जाम हैं। बोर्ड की परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की गई। प्रथम पाली सुबह 8.30 बजे से 11.45 बजे तक थी वहीं दूसरी पाली दोपहर 2.00 बजे से शाम 515 बजे तक होगी। 17 जिलों के संवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी की जा रही है. एसटीएफ, एलआईयू आदि एजेंसियां परीक्षा को देखते हुए सक्रिय हैं। एसटीएफ और एलआईयू की तैनाती परीक्षा की अवधि तक बनी रहेगी।

क्षेत्राधिकारी की अध्यक्षता मे विशेष किशोर पुलिस इकाई की मासिक समीक्षा एवं समन्वय बैठक

खबर श्रावस्ती उत्तर प्रदेश रिपोर्ट तहसील संवाददाता वीरेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार कक्ष में क्षेत्राधिकारी भिनगा संतोष कुमार व क्षेत्राधिकारी जमुनहा सतीश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में विशेष किशोर पुलिस इकाई (एसजेपीयू) की मासिक समीक्षा एवं समन्वय बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में बाल श्रम को रोकने, पॉस्को एक्ट के साथ–साथ बाल विवाह को रोकने व उनके कल्याण के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को विस्तार से बताया गया। क्षेत्राधिकारी ने सर्वप्रथम मीटिंग में उपस्थित पदाधिकारीगण से परिचय प्राप्त कर फीडबैक लिया। तत्पश्चात क्षेत्राधिकारी ने महिला एवं – बाल सुरक्षा संगठन, उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा जारी अनुसंधान, थानों पर नियुक्त – बाल कल्याण

पुलिस अधिकारी विवेचक के समक्ष आ रही समस्या, पीड़िता के आवासन, बाल गुमशुदा, बाल श्रम, नशामुक्ति आभियान, बाल विवाह, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम, लैगिक समानता, नारी शक्ति के संबंध में बताया तथा यह बताया कि यदि किसी बाल अपचारी द्वारा कोई घटना कारित की जाती है तो अधिनियम में दिए गए प्रावधानों के अनुसार ही कार्यवाही अमल में लायी जाए। सभी बाल कल्याण अधिकारियों को क्षेत्र में जाकर सरकार द्वारा बाल श्रम के विरूद्ध चलायी जा रही योजनाओं के बारे में जनमानस को जागरूक करने हेतु बताया गया, जिससे योजनाओं का लाभ सभी तक पहुंचाया जा सके। क्षेत्राधिकारी ने जनपद में बाल विवाह रोकने के लिए उपस्थित सभी पदाधिकारीगण व समस्त थानों के बाल कल्याण अधिकारी विशेषकर थाना सिरसिया व मल्हीपुर के बाल कल्याण अधिकारी को बताया गया कि सभी लोग इण्डो नेपान बार्डर से सटे गाँवों में निरन्तर जाये और वहाँ चौपाल लगाकर बाल विवाह न करने हेतु प्रेरित करे साथ ही वहाँ के ग्राम प्रहरियों व अन्य सम्भ्रांत व्यक्तियों को बताये कि बाल विवाह से सम्बन्धित कोई मामला संज्ञान में आये तो तत्काल इसकी सूचना पुलिस व सीडब्लूसी को दे जिससे समय रहते, कार्यवाही अमल में लायी जा सके । क्षेत्राधिकारी ने जनपद में बाल अपराध रोकने के लिये विशेष किशोर पुलिस इकाई को भी क्रियाशील रहने हेतु निर्देशित किया तथा यह बताया कि कोई परित्यक्त नवजात शिशु किसी भी स्थान पर मिलता है तो उसे तत्काल उचित देखभाल हेतु नजदीकी अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ से स्वास्थ्य परीक्षण कराकर नियमानुसार कार्यवाही की जाए। कार्यस्थल पर कामकाजी महिलाओं के सभी प्रकार के उत्पीड़न को रोकने हेतु विशेष बल दिया जाये, इसके अलावा उनके द्वारा बाल श्रम, बाल विवाह व देह व्यापार आदि को रोकना व बाल अपचारी की देख–रेख व सुरक्षा संरक्षा आदि के संबंध में भी जानकारी दी। उक्त बैठक में प्रभारी निरीक्षक थाना एएचटी मो० दानिश आजम, प्रभारी यातायात मोहम्मद शमीम, प्रभारी मीडिया सेल श्री शशि शेखर जरोरा, डिप्टी सीएमओ डॉक्टर रोहित, अध्यक्ष किशोर न्याय बोर्ड विश्राम पासवान एवं सदस्या श्रीमती सुशीला मिश्रा, ग्रामीण बौद्ध कल्याण सेवा संस्थान राजकुमार, प्रेमबाबू गिरी, देहात इंडिया मो० यूसुफ, एसएसबी भिनगा एवं एएचटीयू ध्बाल संरक्षण इकाईध्थाना में नियुक्त बाल कल्याण अधिकारी व सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस अधीक्षक ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय थाना सिरसिया का किया निरीक्षण

खबर श्रावस्ती उत्तर प्रदेश रिपोर्ट देवी पाटन मंडल ब्यूरो प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, थाना सिरसिया का निरीक्षण किया गया, जहां उन्होंने विद्यालय परिसर, सुरक्षा व्यवस्था एवं

छात्राओं की सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने विद्यालय में बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा, भोजन एवं आवासीय व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा विद्यालय प्रशासन को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। विद्यालय परिसर में सुरक्षा के दृष्टिगत सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, गार्ड की उपलब्धता एवं अन्य सुरक्षा इंतजामों का अवलोकन किया गया। पुलिस अधीक्षक ने विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया कि बालिकाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और किसी भी प्रकार की समस्या पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा, पुलिस अधीक्षक ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर क्राइम व गुड टच–बैड टच की जानकारी देकर जागरूक किया तथा उन्हें किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, 112 व 181 पर संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी भिनगा संतोष कुमार, थाना प्रभारी सिरसिया सहित अन्य पुलिस व विद्यालय प्रशासन के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मोटर साइकिल वा डंपर की टक्कर में महिला की मौत

डंपर को पुलिस ने मौके पर पकड़ ले गये थाने,कार्यवाही में जुटे थानाध्यक्ष

बहराइच,रानीपुर थाना क्षेत्र के रामवापुर बलिदान बगिया के पास डंपर ट्रक ने मोटर साइकिल सवार बुआ भतीजे को

पीछे से टक्कर मार दी जिसमें बुआ अफ़साना पत्नी मोहिद्दीन की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, घटना शाम 06.45 बजे की है जिसमें मोटरसाइकिल यूपी 40 बी0जे0 0424 के चालक आरिफ पुत्र मैनूद्दीन निवासी सुर्जापुर माफी थाना रामगाव जनपद बहराइच अपनी बुआ अफसाना पत्नी मोहिद्दीन उम्र करीब 29 वर्ष निवासी खसहा कुट्टी थाना रामगाव जनपद बहराइच को अपनी मोटरसाइकिल से रमवापुर चौराहा से नव्वन पुरवा दा0 गोबरहा जा रहा था कि बलिदान बगिया के पास पीछे से डम्पर ट्र्क यूपी 40 टी 5146 के चालक के द्वारा उक्त मोटरसाइकिल में टक्कर मार दिया मौके पर अफसाना की मृत्यु हो गई जिसमें पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही में जुटी हैं मौके पर पुलिस बल मौजूद हैं तथा पंचायत नामा की कार्रवाई की गई, बाद पंचायत नामा मृतका अफसाना उपरोक्त को पोस्ट मार्टम हेतु मर्चरी बहराइच भेजा गया। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। शेष कुशलता हैं। यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही है घटना से मृतका के घर में मातम का माहौल है।

यूपी बोर्ड की परीक्षा आज से शुरू

भूपेंद्र तिवारी

बहराइच – बहराइच जिले के परीक्षा केंद्रों पर तैयारी हुई पूरी बहराइच के 125 परीक्षा केन्द्रों पर शुरू हुई परीक्षा नकल विहीन परीक्षाओं के लिए हुए विशेष प्रबंध सीसीटीवी की निगरानी में हो रही है यूपी बोर्ड की परीक्षा परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल पर पूर्ण रूप लगी रोक परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा का कड़ा पहरा कंट्रोल रूम से लाइव फीड देखी जा रही है 10वीं और 12वीं की परीक्षा दे रहे है छात्र–छात्राएं दो पाली में आयोजित हुआ परीक्षा पहली पाली सुबह 8:30 बजे से 11:15 बजे तक दूसरी पाली 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

ग्रामीण स्तर पर चलेगा एकात्मक अभियान

आज मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि संयुक्त सचिव संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा सहज मार्ग के संस्थापक जनपद शाहजहांपुर के पूज्य बाबूजी महाराज की 125वीं जयंती के अवसर पर भारत सरकार व श्री रामचंद्र मिशन हार्टफूलनेस इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वाधान में ग्रामीण स्तर पर आगामी 30 अप्रैल 2025 तक एकात्म अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान अंतर्गत हार्टफूलनेस इंस्टीट्यूट के स्वयंसेवी प्रशिक्षकों द्वारा योग, तनाव मुक्ति एवं ज्ञान सत्र, प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने हेतु, मूलभूत कृषि तकनीक का उपयोग करते हुए विशेष प्रशिक्षण सत्र तथा बच्चों के संपूर्ण संज्ञानात्मक विकास हेतु सरल विधियां और तकनीक की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तर पर यह कार्यक्रम 15000 से अधिक ग्रामों के परिवारों और नागरिकों के मध्य आयोजित किया जा रहा जाएगा। यह कार्यक्रम सत्र निशुल्क आयोजित किए जाएंगे। बताया कि जिला स्तर, तहसील स्तर, विकासखंड स्तर और ग्राम स्तर पर अधिकारी और हार्टफूलनेस इंस्टीट्यूट के स्वयंसेवी प्रशिक्षकों के सहयोग से यह अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान में महिला एवं बाल विकास विभाग, सहकारिता विभाग, समस्त स्वास्थ्य केंद्र एवं आरोग्य केंद्र, जिला व तहसील स्तर के डाकघर, पंचायती राज विभाग, जिला पंचायत आदि का सहयोग व भूमिका रहेगी। अभियान के सफल आयोजन के लिए समस्त खंड विकास अधिकारियों को अभियान की समाप्ति के उपरांत निर्धारित प्रारूप पर जिला आपूर्ति अधिकारी बदायूं के कार्यालय में सूचना देनी होगी।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु परीक्षा का आयोजन

सूरजपुर/24 फरवरी 2025/ छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय आदिम जाति कल्याण, आवासीय एवं शैक्षणिक संस्थान समिति, ब्लाक–डी. भूतल, इन्द्रावती भवन अटल नगर, नवा रायपुर द्वारा जिला अंतर्गत संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन 02 मार्च

दिन रविवार को प्रातः 10.00 बजे से 12.00 बजे तक (02 घण्टे) किया जाना है। परीक्षा हेतु जिले में 12 परीक्षा केन्द्र क्रमशः शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर, शासकीय नवीन महाविद्यालय ओड़गी, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय ओड़गी, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिवप्रसादनगर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रेमनगर, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय प्रेमनगर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रतापपुर (आजाक),शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रतापपुर (शिक्षा), स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी विद्यालय प्रतापपुर, अचीवर्स इंटरनेशनल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल प्रतापपुर, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय प्रतापपुर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर को बनाये गया है। सूरजपुर जिला अंतर्गत संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय हेतु निर्धारित समस्त 12 परीक्षा केन्द्रों के ऐसे सभी पात्र छात्र/छात्राऐं जिन्होने ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया था, अपना प्रवेश पत्र विभाग के साईट ीजजचेरू//मासंअलं.बह.दपब. पद में जाकर अपना आवेदन क्रमांक एवं पिता का मोबाईल नंबर अंकित कर प्राप्त कर सकेंगे।

मार्निगवॉक में फ्रेश हवा नहीं धूल के गुबार मिलते है बिलासपुर की सड़को पर

सुबह सुबह मिलने वाली ताजी हवा स्वास्थ के लिए लाभ दायक लेकिन बिलासपुर में ये हवा अब दूषित हो गईं है रोज हजारों की तादात में युवा, बुजुर्ग, महिला ताजी हवा खाने मॉर्निंग वाक में निकलते है लेकिन उन्हें मिलती है सफाई कर्मीयों की झाड़ू की धूल ताजी हवा की जगह मिलती है बीमारी जी हाँ बिलासपुर शहर में इस समय आप जहाँ भी चले जाये सुबह आपको सफाई कर्मी झाड़ू लगाते दिख जायेंगे जिससे आम नागरिक को काफ़ी तकलीफ हो रही है।

सफाई का कार्य सुबह 5 बजे के पहले खत्म हो जाना चाहिए :–

हर बड़े शहरों में रात के ही पुरे शहर में सफाई का कार्य किया जाता है लेकिन एक ऐसा शहर बिलासपुर है जहाँ सुबह 6 बजे सफाई कर्मी पुरे शहर में सफाई करते नजर आ जाते है जबकि ये समय सुबह की ताजी हवा का होता जिसके लिए हजारों नागरिक मॉनिंग वाक करने निकलते है लेकिन उन्हें मिलती है तो वो धूल जहाँ आमनागरिक स्वास्थ्य लाभ लेने निकलता है वही उन्हें मिल रही बीमारी।

प्रशासन की मानिटरिंग टीम आखिर है कहा :–

बिलासपुर नगर निगम ने सफाई का ठेका प्रायवेट कम्पनी को दिया हुआ है जिसका मानिटरिंग नगर निगम के हर जोन के अधिकारी करते है लेकिन ये किस तरह की मानिटरिंग कर रहें है समझ से परे है जहाँ शहर के लोगो को सुबह ताजी हवा मिलनी चाहिए लेकिन उन्हें मिल रहें धूल के गुबार यदि ऐसा ही कार्य होता रहा तो वो दिन दूर नहीं बिलासपुर में सुबह घूमने वाले बीमारी लेकर घर जायेंगे।

मित्रता वही जिसमे प्रेम की सुगन्ध,,,

रिपोर्ट सत्यम शर्मा

बरेली, राजेंद्र नगर स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के सप्तम दिवस में कथा व्यास वृंदावन धाम से पधारे आचार्य श्याम बिहारी चतुर्वेदी ने सुदामा चरित्र सुनाते हुए बताया, भगवान श्री द्वारकाधीश ने अपने पुराने मित्र श्री सुदामा को गले से लगाया क्योंकि वह गरीब थे, इसके बाद भी उन्होंने अपने हृदय से उन्हें लगाया, भगवान ने सुदामा के प्रसंग को लेकर के हम सभी को यह बताया, मित्र चाहे गरीब हो या अमीर हो मित्रता हमेशा हृदय से होनी चाहिए, ऐसा नहीं कि हम अगर पैसा पोजीशन अगर प्राप्त हुई है, उसके द्वारा हम किसी को दबाए ऐसा नहीं होना चाहिए ,मित्रता हमेशा बराबर के लोगों से होती है, लेकिन

उसके बाद भी भगवान ने हम सबको यह बताया है, कि मित्र कैसा भी हो उसके प्रेम में इत्र जैसी खुशबू आनी चाहिए, और यही द्वारकाधीश ने सुदामा को गले लगा करके ,हम सबको शिक्षा दी, अपने सामान उनको धनवान बनाकर के हम सबको यह संदेश दिया,आगे व्यास जी ने भागवत का अंतिम उपदेश दिया, जो की शुकदेव ने परीक्षित को दिया था कि राजन क्या तुम मरोगे, यदि तुम्हारे मन में यह विचार हैं तो इनका त्याग देना क्योंकि यह शरीर नष्ट धर्मा है, नष्ट हो जाता है, आत्मा हमेशा अमर रहती है सत्कर्म करते रहना चाहिए और भगवान में अपने मन को लगाते रहना चाहिए, अंत मे भजन गायक जगदीश भाटिया ने राधा नाम लेकर सभी को नाचने पर विवश कर दिया, सभी राधा राम की मस्ती मे झूमते रहे, इस मौके पर जगदीश भाटिया भजन गायक, विनोद खंडेलवाल राघवेंद्र, सीमा, रजत ,विवेक सोनल खंडेलवाल, स्वाति, हिमांशु, मुकेश खंडेलवाल, कान्ती खंडेलवाल, और भी बहुत दूर–दूर से श्रोता पधार करके कथा में भाव विभोर हुए।

निलंबित चकबंदी लेखपाल गिरोह के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

रिपोर्ट सत्यम शर्मा

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र के नवादा शेखान निवासी नुसरत जहां पत्नी आसिफ

हुसैन द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर दर्ज एफआईआर में पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि सावन कुमार सहित सात लोगों ने मिलकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्लॉट का बैनामा कराया और कब्जा करने की कोशिश की। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी सचिन गोस्वामी इलाहाबाद भाग गया था, जहां उसने कुंभ मेले में खाने पीने की दुकान पर काम किया। लेकिन जब उसके साथी अंकित त्रिपाठी और सुनील कुमार ने उसे दस्तावेज लाने के लिए बुलाया, तो वह बरेली लौट आया। जैसे ही वह इलाहाबाद जाने के लिए ट्रेन पकड़ने की कोशिश कर रहा था, पुलिस ने उसे विद्यावान कोठी के पास गिरफ्तार कर लिया। अमित सिंह राठौर के 3 आधार कार्ड, अलग–अलग पते और नंबर सावन कुमार जायसवाल के 2 आधार कार्ड रेनू पत्नी महेंद्र नाथ के 3 आधार कार्ड, 1 पहचान पत्र, 1 पैन कार्ड दीपक पुत्र रामपाल नाथ के 2 आधार कार्ड, 1 एटीएम कार्ड सचिन गोस्वामी के 2 आधार कार्ड 09 बैनामा दस्तावेजों की छायाप्रति (कुल 95 पेज) 02 वसीयतनामे की छायाप्रति मिली ।पूछताछ में सचिन गोस्वामी ने बताया कि वह अमित सिंह राठौर और सावन कुमार जायसवाल के लिए प्लॉट की देखरेख करता था। 5 जनवरी 2025 को जब पुलिस ने सैटेलाइट क्षेत्र के एक प्लॉट पर छापा मारा, तो वह अन्य आरोपियों के साथ फरार हो गया। फरारी के दौरान वह प्रयागराज में खाने– पीने के समान की दुकान पर काम कर रहा था। कुछ दिनों पहले उसके साथियों ने उसे घर बुलाया और कूटरचित दस्तावेज लाने को कहा, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उस पर शहर के अलग–अलग थानों में चार मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में बारादरी प्रभारी निरीक्षक धनंजय कुमार पांडेय, निरीक्षक अपराध अरविंद सिंह, एसएसआई रोहित शर्मा, एसआई अखिलेश उपाध्याय, प्रदीप कुमार कांस्टेबल चेतन कुमार और गुलाब सिंह शामिल रहे।

टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम तहत जिला क्षय उन्मूलन केन्द्र द्वारा अनेकों गतिविधियों का किया जा रहा है आयोजन

सूरजपुर/24 फरवरी 2025/ प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम को प्रभावशाली बनाने और टीबी मुक्त पंचायत के मापदंडों की दृष्टि से कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के मार्गदर्शन में जिला क्षय उन्मूलन केन्द्र सूरजपुर के द्वारा अनेकों गतिविधियों का क्रियान्वयन और आयोजन किया जा रहा है। नि–क्षय निरामय कार्यक्रम में सौ दिवसीय कम्पेन के तहत सूरजपुर जिला मुख्यालय के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठान एसआरपीआर सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में कार्यशाला का आयोजन कर पॉजिटिव मरीजों को फूड बास्केट वितरण किया गया। जिसमें एसआरपीआर सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल, पांडेय पैथोलैब एवं साधुराम विद्या मंदिर का सराहनीय और उल्लेखनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ कपीलदेव पैकरा ने कहा कि टीबी मुक्त भारत के निर्माण में सबकी सहभागिता और सबका सहयोग आवश्यक है चिकित्सक

और चिकित्सालय तो अपना कार्य करेगा ही पर समाजसेवी संस्थानों या समाजसेवी व्यक्तियों को इस दिशा में आगे आना होगा। इसके साथ ही साथ जो टीबी के मरीज हैं वह भी जागरूकता और संवेदनशील बने, जो टीबी मरीज उपचार पूर्ण कर टीबी मुक्त हो रहे हैं वो समाज को बतायें की हमने टीबी की दवा अपने निकटवर्ती शासकीय अस्पताल से निशुल्क प्राप्त कर, नियमित सेवन किया और आज मैं पुरी तरह से स्वस्थ हुं। ऐसे करने से समाज में सकारात्मक संदेश जायेगा। क्योर टीबी पेसेंट बदलाव अभिकर्ता बनकर टीबी मुक्त भारत के लिए सहयोग प्रदान करें। जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ जे एस आर सरूता ने कहा कि टीबी मुक्त पंचायत के निर्माण से व्यक्ति और समाज दोनों का भला होगा। आपके पड़ोस में टीबी के सम्भावित लक्षण वाले व्यक्ति हैं तो संक्रमण का भय सबको है इसलिए पड़ोसी धर्म को निभाते हुए उक्त व्यक्ति को बलगम जांच का सुझाव दे। जब यह कार्य समाज के हर व्यक्ति करने लगेगा तो समाज टीबी मुक्त की ओर अग्रसर होगा। एसआरपीआर सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के ट्रस्टी और समाजसेवी राहुल अग्रवाल ने कहा कि टीबी मुक्त भारत के निर्माण में नि–क्षय मित्र बनकर हम सभी सहयोग बने यह एक बहुत बड़ा पूर्ण का कार्य है। आप ऐसे व्यक्ति को सहयोग कर रहे है जो स्वास्थ्य समाज के लिए अतिआवश्यक है। पांडेय पैथोलैब के संचालक ओमकार पान्डेय ने कहा कि टीबी की बिमारी अब लाइलाज नहीं है और इसके इलाज और उपचार के लिए।

एसपी ट्रैफिक पर जानलेवा हमले में तीनों सिपाही और ऑटो चालक को 10–10 साल सजा, जुर्माना

रिपोर्ट सत्यम शर्मा

बरेली। थाना कैंट क्षेत्र के जाट रेजिमेंट के सामने हाईवे पर उगाही करते हुए पकड़े जाने के बाद तत्कालीन एसपी ट्रैफिक कल्पना सक्सेना पीपीएस अधिकारी की हत्या की कोशिश के 15 साल पुराने मामले में एंटी करप्शन कोर्ट के स्पेशल जज सुरेश कुमार गुप्ता ने दोषियों को कड़ी सजा सुनाई। अदालत ने सिपाही रावेंद्र सिंह, रविंद्र सिंह, मनोज कुमार और उनके मददगार ऑटो चालक धर्मेंद्र को दोषी करार देते हुए 10–10 साल की कैद और 0–50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। मामले में 14 गवाहों की गवाही के आधार पर यह फैसला सुनाया गया। कल्पना सक्सेना वर्तमान में गाजियाबाद में एडिशनल कमिश्नर हैं।वर्तमान में गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में एडिशनल कमिश्नर के पद

पर तैनात तत्कालीन एसपी ट्रैफिक कल्पना सक्सेना ने इस मामले में थाना कैंट में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सरकारी वकील मनोज वाजपेयी और अभियोजन अधिकारी विपर्णा शर्मा ने अदालत में मजबूती से पक्ष रखा। अभियोजन के अनुसार, 2 सितंबर 2010 को कल्पना सक्सेना को सूचना मिली थी कि ट्रैफिक पुलिस के कुछ सिपाही थाना कैंट क्षेत्र में फरीदपुर रोड मजार के पास हाईवे पर ट्रकों को रोककर अवैध वसूली कर रहे हैं। वह शाम 5रू15 बजे अपनी सरकारी गाड़ी से मौके पर पहुंचीं तो देखा कि कई ट्रक सड़क किनारे खड़े थे और मजार के पास एक सफेद मारुति कार खड़ी थी, जिसमें कुछ लोग बैठे थे और कुछ बाहर खड़े थे। कल्पना सक्सेना अपने हमराह और ड्राइवर के साथ ट्रकों की आड़ लेकर कार के पास पहुंचीं। उन्होंने देखा कि कार की पिछली सीट पर सिपाही रविंद्र और रावेंद्र बैठे थे। जैसे ही उनकी नजर कल्पना सक्सेना पर पड़ी, उन्होंने ड्राइविंग सीट पर बैठे सिपाही मनोज को गाड़ी से कुचलकर भागने को कहा। कल्पना सक्सेना जब आगे बढ़ीं तो मनोज ने गाड़ी स्टार्ट कर उनके ऊपर चढ़ाने की कोशिश की। उन्होंने चलती गाड़ी में एक हाथ डालकर मनोज की गर्दन पकड़ ली और कार रोकने को कहा, लेकिन मनोज ने कार नहीं रोकी। इस दौरान रविंद्र ने एसपी के हाथ पकड़ लिए और सिर पर वार करना शुरू कर दिया। सिपाही मनोज ने कार को बरेली की ओर तेज रफ्तार में दौड़ा दिया, जिससे एसपी को करीब 200 मीटर तक घसीटा गया। उन्होंने गाड़ी को आड़ा–तिरछा चला कर एसपी को कुचलने की कोशिश की, लेकिन जब सफल नहीं हुए तो धक्का देकर सड़क पर गिरा दिया। सड़क पर गिरने से गंभीर रूप से घायल कल्पना सक्सेना को अस्पताल में भर्ती कराया गया। ऑटो चालक धर्मेंद्र, जो सिपाही रविंद्र का सगा भाई था, मौके पर ट्रकों को रोककर अवैध वसूली कर रहा था। पुलिस ने इस मामले में हत्या की कोशिश, अवैध वसूली और एंटी करप्शन एक्ट की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। विवेचना के बाद चारों आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई। अभियोजन पक्ष ने अदालत में 14 गवाह पेश किए, जिनके बयान और सबूतों के आधार पर चारों आरोपियों को दोषी करार दिया गया।

अवैध संबंधों के शक में पति की हत्या का आरोप

क्यों ना लिखूं सच

अलीगढ़ के थाना देहली गेट क्षेत्र के जंगलगढ़ी में एक पति की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक के शरीर पर मारपीट के निशान पाए गए हैं। मृतक के परिजनों ने पत्नी, सास और साले पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पति ने पत्नी के अवैध संबंधों का विरोध किया, जिससे नाराज होकर पत्नी ने मां और भाई के साथ मिलकर डेग बजाकर हत्या कर दी। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने पत्नी और सास को हिरासत में ले लिया है और परिजनों की तहरीर के आधार पर जांच जारी है।

महाशिवरात्रि होली तथा रमजान त्योहारों के संबंध में पीस पार्टी कमेटी की थाना मटेरा में बैठक

मटेरा से अमरीक सिंह की रिपोर्ट

थाना मटेरा प्रांगण में महाशिवरात्रि होली तथा रमजान त्योहारों के संबंध में पीस पार्टी कमेटी की थाना मटेरा में बैठक रखा गया

थाना मटेरा थाना अध्यक्ष मदनलाल द्वारा मटेरा क्षेत्र के सारे ग्राम प्रधान सम्मानित व्यक्तिगत थाना मटेरा के प्रांगण में मौजूद रहे क्षेत्र के लेखपाल नानपारा तहसील के तहसीलदार नानपारा सी ओ पीस पार्टी में मौजूद रहे थाना मटेरा पीस पार्टी में जितने भी सदस्य बैठे हुए थे उनको सूचित किया की शिवरात्रि में कोई अभद्र डीजे पर गाना ना भेजें जो गाना बजे इससे आपस में हिंदू मुस्लिम का सौहार्थ बना रहे,,,,,

डीएम ने की राजस्व व कर करेत्तर वसूली की समीक्षा

आज जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में मासिक समीक्षा बैठक के दौरान राजस्व व कर करेत्तर वसूली की समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को परस्पर विभागीय समन्वय के साथ वित्तीय लक्ष्यों

को प्राप्त करने के लिए कहा। लक्ष्य के सापेक्ष धीमी प्रगति पर अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत उसावां से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने मासिक समीक्षा बैठक के दौरान जनवरी 2025 तक के राजस्व व कर करेत्तर वसूली के लक्ष्य के सापेक्ष प्राप्ति की समीक्षा की। उन्होंने आर0सी0 का मिलान कर उसकी रिकवरी करने के लिए भी कहा। बैठक के दौरान संज्ञान में आया कि परिवहन विभाग वसूली में मंडल में प्रथम है। डीएम ने स्टांप व पंजीयन, आबकारी, वाणिज्य कर, परिवहन देय, विद्युत देय सहित विभिन्न विभागों की राजस्व व कर करेत्तर वसूली की समीक्षा की। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव शर्मा ने अधिकारियों को विभागीय डाटा को अधतन रखने तथा पोर्टल पर नियमित रूप से अपलोड करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस पर तहसील दिवस के प्रकरणों को गंभीरता पूर्वक निस्तारित किया जाए तथा इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए की शिकायतकर्ता की संतुष्टि आवश्यक है। इस अवसर पर जिला राजस्व अधिकारी प्रवर्धन शर्मा , नगर मजिस्ट्रेट सुरेश पाल, जिला वन अधिकारी प्रदीप वर्मा सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

केंद्रीय राज्य मंत्री व डीएम ने किया सड़क व निर्माणाधीन छात्रावास का मुआयना

आज केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने सोमवार को जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव के साथ नेकपुर में सांसद निधि से बनाई गई लगभग 120 मीटर लंबी सीसी रोड का मुआयना किया। उन्होंने समीप में बनाए जा रहे एक छात्रावास के निर्माण कार्यों को भी देखा। उन्होंने डीआरडीए विभाग को आमजन की सुविधा के लिए सांसद निधि से सीसी रोड के समीप फलड लाइट लगवाने के लिए निर्देशित भी किया। इस अवसर पर अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम ने किया बोर्ड परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

आज जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने सोमवार को बोर्ड परीक्षा केंद्र

बनाए गए इस्लामिया इंटर कॉलेज सहित अन्य परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया व आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी, सुचिता पूर्ण ढंग से संपन्न कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए विभिन्न स्टेटिक मजिस्ट्रेट आदि की तैनाती की गई है। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्र के दौरान सीसीटीवी आदि व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराया गया है। उन्होंने परीक्षा के सफल संचालन के लिए बोर्ड द्वारा निर्धारित सभी मानकों का अनुपालन करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

उर्वशी रौतेला

ने किया भारत-पाक मैच के बीच डांस, ओरी ने पोस्ट कर ली चुटकी ; वायरल हो रहा वीडियो

उर्वशी रौतेला और ओरी का भारत-पाक मैच के बीच का एक मैच सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में ओरी ने मजाकिया अंदाज में कैप्शन लिख उर्वशी रौतेला की चुटकी ले ली है। उर्वशी रौतेला और ओरी का भारत-पाक मैच के दौरान एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस डांस वीडियो को पोस्ट कर ओरी ने उर्वशी रौतेला का मजाक भी उड़ाया है। उर्वशी अक्सर इवेंट में कहती हैं कि वे वहां पहुंचने वाली पहली महिला हैं। इसी बात को लिखते हुए ओरी ने ये पोस्ट की है। ओरी और उर्वशी ने किया डांस ओरी और उर्वशी रौतेला का एक डांस वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में ओरी और उर्वशी साथ में स्टेडियम में भारत-पाक मैच के बीच स्टैंड पर नाचते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो पोस्ट पर ओरी ने लिखा- पहली महिला जिसने इंडो-पाकिस्तान मैच में भाग लिया। इससे पहले वायरल हुआ ये वीडियो इससे पहले दुबई में एक पार्टी से ओरी और उर्वशी का क्रेजी डांस वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें दोनों सितारे उर्वशी के दाबिड़ी-दीबिड़ी गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में ओरी और उर्वशी की एनर्जी देखते ही बन रही है। उर्वशी ने इस वीडियो में सिल्वर कलर की मिरर वर्क वाली ड्रेस पहनी है। उर्वशी और ओरी की शादी को लेकर हो रही है बात हाल ही में ओरी आलेखा आडवाणी और आदर जैन की शादी में पहुंचे थे। इस पोस्ट पर उर्वशी ने कॉमेंट सेक्शन में लिखा, आपकी शादी में आने का इंतजार नहीं कर सकती। इसके बाद ओरी ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, हमारी। यह टिप्पणी कुछ ही समय में वायरल हो गई और सोशल मीडिया पर दोनों के इस मजाकिया बातचीत को लेकर चर्चा शुरू हो गई। डाकू महाराज में दिखी थीं उर्वशी वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी को हाल ही में फिल्म 'डाकू महाराज' में देखा गया था। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म औसत कमाई कर सकी थी। वहीं, अब इसे ओटीटी पर भी रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में नंदमुरी बालकृष्ण के साथ बॉबी देओल, प्रज्ञा जायसवाल और श्रद्धा श्रीनाथ जैसे कलाकार हैं।

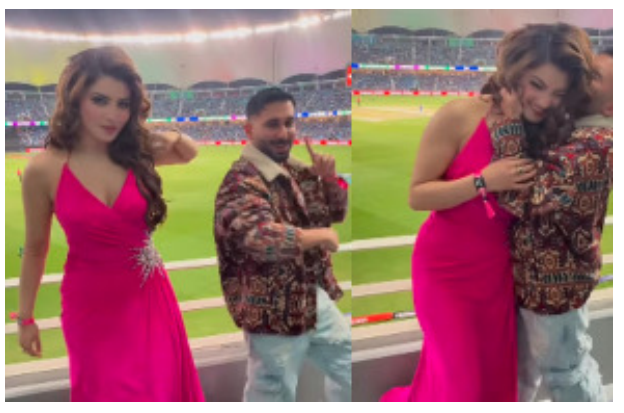

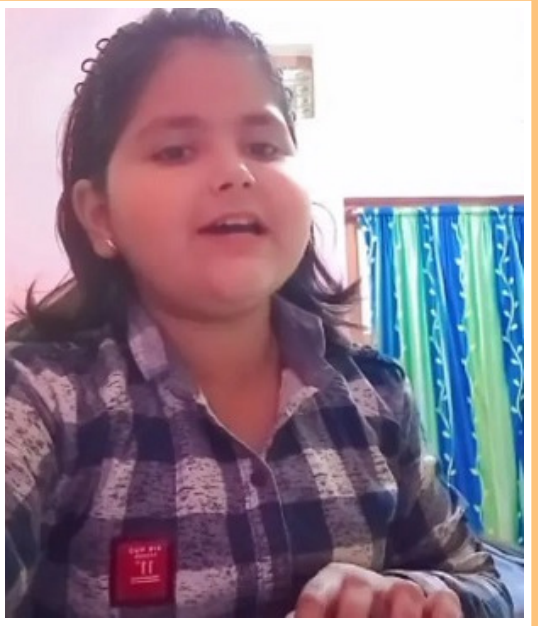

जॉनिया रे जॉनिया, हां बाबू जी! लड़की ने बनाया बच्चों की फेवरेट पोएम का भोजपुरी वर्जन, वायरल हो गया वीडियो

अगर आपसे पूछा जाए कि आपके बचपन की सबसे पहली च्वमउ कौन सी याद की थी तो आप सबके दिमाग में रीवददल... श्रीवददल... लमे चंचं ये वो कविता है जिसे शायद शायद आपके पिता ने भी सीखा होगा, आपने भी सीखा होगा और आप अपने बच्चों को भी सिखाएं। अब एक लड़की ने इस कविता का भोजपुरी वर्जन बना दिया है। उसे सुनकर आप लड़की की तारीफ किए बिना नहीं रह पाएंगे। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हमने इस वीडियो को एक्स से /ऋानउइीांतंद नाम के अकाउंट से लिया है। पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें एक लड़की जो अभी स्कूली छात्रा लग रही है ने जॉनी-जॉनी कविता का भोजपुरी वर्जन बनाया है। उसने इस कविता को खुद गाया और खुद म्यूजिक भी दिया है. वो पियानो बजाती नजर आ रही है। बच्ची ने इस कविता के बोल को ऐसा बनाया है जिसे सुनकर आपको बहुत हंसी आएगी। लड़की ने इस कविता का भोजपुरी वर्जन कुछ इस तरह बनाया है।

हां बाबू जी,
चीनी खइले बानी,
न बाबू जी!
झूठ मति बोलिये,
हां बाबू जी!
मुंहवा तो खोल, हां बाबू जी!

महाकुंभ में फिल्म की शूटिंग कर रहे अभिषेक बनर्जी ने शेयर किया एक्सपीरियंस, कहा- पिछले 7-8 दिनों से यहां..

प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में दुनियाभर के लोग संगम में डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। कई सेलिब्रेटीज भी अब तक गंगा में पवित्र स्नान कर चर्चा में आ चुके हैं। वहीं, एक्टर अभिषेक बनर्जी इन दिनों महाकुंभ में अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने इसे लेकर खुशी जाहिर

की है और अपने कुंभ दौरे के अनुभव को शेयर किया। महाकुंभ में शामिल होने को लेकर अभिषेक बनर्जी ने कहा, श्यह बहुत दिव्य अनुभव है...मैं पिछले 7-8 दिनों से यहां रह रहा हूं। मैंने लोगों की भक्ति को बहुत करीब से देखा है...देश भर से लोग बड़ी संख्या में महाकुंभ में भाग लेने आ रहे हैं...मानवता बहुत प्रेरणादायक है। एक्टर ने आगे कहा कि वह यहां लगभग सात से आठ दिनों से हैं और उन्हें यहां बहुत अच्छा लगा। व्यवस्था बहुत अच्छी है। उनकी फिल्म की शूटिंग का आज आखिरी दिन है। मंगलवार को वे मुंबई लौट जाएंगे। कुछ दिनों पहले अभिषेक की शूटिंग सेट से कई तस्वीरें सामने आई थीं, जहां वह अपनी को-स्टार शहाना गोस्वामी और फिल्म की टीम के साथ शूटिंग करते नजर आए थे। जहां वे महाकुंभ के आसपास की आध्यात्मिक ऊर्जा में डूबे हुए नजर आए थे। उनकी यह फिल्म बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक मानी जा रही है।

दोस्त संग प्रेग्नेंट जेनिफर लॉरेंस की आउटिंग

डबल-ब्रेस्टेड ब्लैक वूल कोट में फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

हॉलीवुड स्टार जेनिफर लॉरेंस इन दिनों प्रेग्नेंसी फेज को एंजॉय कर रही हैं। प्रेग्नेंसी में भी जेनिफर अपनी लाइफ को खुलकर जी रही हैं। हाल ही में जेनिफर लॉरेंस को न्यूयॉर्क सिटी की ठंडी में उनके पूर्व टैलेंट एजेंट से फिल्म प्रोड्यूसर बने जेरमी प्लैगर को स्पॉट किया है। हसीना ने बढ़ते बेबी बंप को डबल-ब्रेस्टेड ब्लैक वूल कोट, वाइड-लेग ब्लैक पैंट्स और स्नीकर्स से कवर किया।उन्होंने अपने लुक को पर्पल और व्हाइट स्कार्फ और ब्लैक टोपी (टूग) के साथ कंप्लीट किया, जिससे उनकी गोल्डन ब्लोंड हेयर स्टाइलिश और वॉर्म लुक दे रही थी। जेनिफर लॉरेंस ने अपने विंटर-चिक लुक को ब्लैक लेदर ग्लव्स, ब्लैक शोल्डर बैग और डार्क सनग्लासेस के साथ पूरा किया जिससे उनका स्टाइल और भी क्लासी लग रहा था।वहीं प्रोड्यूसर एप्रिकॉट-टोन्ड कॉरडरॉय जैकेट, फेडेड ब्लैक जींस और ब्लैक स्नीकर्स में काफी डैपर लग रहे थे। आउटिंग में दोनों का यह विंटर लुक बिल्कुल ऑन-पॉइंट था! फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें, जेनिफर लॉरेंस ने साल 2019 में ब्ववाम डंतवदमल संग शादी रचाई थी। इसके बाद उन्होंने एक बेटे का स्वागत किया। अब कपल अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बिग बॉस 18 के विजेता करणवीर ने कही चौंकाने वाली बात, बोले- अभी तक नहीं मिला 50 लाख रुपए

हाल ही में बिग बॉस 18 शो के विजेता करणवीर मेहरा ने अपनी प्राइज मनी को लेकर एक बड़ा खुलासा किया। इसको लेकर उन्होंने कहा की बिग बॉस की प्राइज मनी उन्हें अभी तक नहीं मिली। जानिए पूरी बात। अभिनेता करणवीर मेहरा ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में पहुंचे, जहां उन्होंने बिग बॉस शो को लेकर अपने विचार शेयर किए, जिसमें करणवीर ने अभी तक प्राइज मनी ना मिलने की बात कही है। हाल ही में करणवीर मेहरा कॉमेडियन भारती

सिंह और स्क्रिप्ट राइटर हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में पहुंचे, जहां उनके यूट्यूब चैनल पर उन्होंने बातचीत की। बातचीत के दौरान करणवीर ने कहा कि कलर्स चैनल पर उनका पहला शो 'खतरों का खिलाडी 14' था। जहां से उनको नाम और पहचान मिली। बिग बॉस 18 के बारे में बात करते उन्होंने बताया कि विनर होने के बाद चमचमाती ट्रॉफी के साथ 50 लाख रुपए भी जीते थे, लेकिन प्राइज मनी अभी आना बाकी है। कार बुक करवा लिया करणवीर मेहरा ने 'खतरों का खिलाड़ी 14' के बारे में बात की। वह इस शो के भी विनर रहे थे। करणवीर ने कहा 'खतरों का खिलाड़ी 14' का उनका पैसा आ गया है। साथ ही उन्होंने बताया कि शो के दौरान जिस कार को उन्होंने जीता था उसे भी बुक करवा लिया है। वह भी कुछ दिनों मे आ जाएगी। करण वीर का बिग बॉस शो में जाने का बिल्कुल मन नहीं था। उन्होंने पॉडकास्ट में बातचीत में बताया कि उन्हें लगा कि वे घर से अलग हो जाएंगे, ये सोच कर पहले मना कर दिया था। हालांकि, बाद में करियर को और ग्रोथ देने के लिए वे इस शो का हिस्सा बनें। करण वीर ने कहा कि बिग बॉस में कई सारे लोग पहले कुछ दिन तो खुले नहीं थे।

मोटापे के खिलाफ अभियान में नॉमिनेट किए जाने पर गदगद हुए आर माधवन, जताया पीएम मोदी का आभार

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोटापे के खिलाफ अभियान शुरू कर चुके हैं। इस अभियान में उन्होंने फिल्म जगत के कई सितारों को भी शामिल किया है। ऐसे में हाल ही में पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट पर इस अभियान में 10 हस्तियों को नॉमिनेट करने की जानकारी दी। उनके इस पोस्ट के बाद एक्टर आर माधवन ने ट्वीट के जरिए आभार व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, जैसा कि कल की मैंने मन की बात में बताया था कि मैं मोटापे

के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने और भोजन में खाद्य तेल की खपत को कम करने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए लोगों को नामांकित करना चाहता हूं। मैं उनसे यह भी अनुरोध करता हूं कि वे प्रत्येक 10 लोगों को नॉमिनेट करें ताकि हमारा आंदोलन और बड़ा हो! इस अभियान में पीएम मोदी ने एक्टर-निमार्ता आर माधवन के साथ महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा, भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव, भारतीय शूटर मनु भाकर, वेटलिफ्टर मीराबाई चानू, एक्टर मोहनलाल, राजनेता उमर अब्दुल्ला, गायिका श्रेया घोषाल, सुधा मूर्ति, इंफोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि का नाम शामिल किया है।पीएम मोदी के पोस्ट को री-पोस्ट करते हुए एक्टर आर माधवन ने न सिर्फ आभार जताया बल्कि इसे गर्व का क्षण भी बताया। उन्होंने लिखा, ह्लमैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हमारे देश को बेहतर स्वास्थ्य की ओर प्रेरित करने के लिए इस आवश्यक और प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम को शुरू करने के लिए धन्यवाद देता हूं। मुझे इस महत्वपूर्ण संदेश को फैलाने में मदद करने के लिए नामित होने पर गर्व है ह्वइसके साथ ही माधवन ने उन नामों पर से भी पर्दा उठाया, जिन्हें उन्होंने नॉमिनेट किया। एक्टर ने लिखा, ह्लमैं बदले में कुछ लोगों को नामित करता हूं, जो कई तरीकों से मेरे लिए प्रेरणा का एक जरिया रहे हैं और मैं विनम्रतापूर्वक उनसे भारत को स्वस्थ बनाने की इस पहल में शामिल होने का आग्रह करता हूं। माधवन ने भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा, अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह, गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी, अभिनेता रोहित रॉय, ओयो के फाउंडर रितेश नागर, अभिनेता विवेक ओबेरॉय, फिल्म प्रदर्शक अक्षय राठी, फिल्म प्रोड्यूसर विजय मूलन, गोल्फर शुभांकर शर्मा, टेलीविजन निमार्ता-लेखक विपुल डी शाह के साथ भारतीय तैराक साजन प्रकाश को नॉमिनेट करने की जानकारी दी।

हिना खान की मेडिकल रिपोर्ट पर बड़ा एक्शन

24 घंटे के भीतर हुई कार्रवाई

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री हिना खान इन दिनों स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। एक तरफ जहां फैंस उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर एक्ट्रेस रोजलिन खान ने हिना के कैंसर को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। रोजलिन ने हिना खान के कैंसर को पब्लिसिटी स्टंट और नौटंकी करार दिया है, जिससे सोशल मीडिया पर हलचल मच गई है।स्टेज 4 कैंसर को मात दे चुकीं रोजलिन खान का कहना है कि हिना खान ने अपने कैंसर के इलाज के बारे में जो बातें साझा की हैं, वो पूरी तरह से झूठ हैं और यह सब सिर्फ पब्लिसिटी के लिए किया जा रहा है। इतना ही नहीं, उन्होंने तो पिछले दिनों हिना की मेडिकल रिपोर्ट भी सोशल मीडिया पर शेयर की थी, जिसमें उन्होंने दावा किया कि वह स्टेज 3 कैंसर से नहीं, बल्कि स्टेज 2 कैंसर से पीड़ित हैं। यह रिपोर्ट उन्होंने 20 फरवरी को अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई। इस रिपोर्ट के जरिए रोजलिन ने यह साबित करने की कोशिश की कि हिना खान ने कैंसर के इलाज को लेकर जो बयान दिए हैं, वे झूठे हैं।

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड मध्य प्रदेश, दिल्ली, बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर, जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करें-9027776991

Mysuru layoffs: Infosys denies force, intimidation

PTI ■ NEW DELHI

IT services company Infosys on Wednesday said it did not use force or intimidation tactics when it laid off trainees at Mysuru campus over performance-related issues, and that it was explaining the circumstances to the labour department authorities.

Shaji Mathew, Chief Human Resources Officer at Infosys, however, conceded that assessment failure percentages this time around have been "slightly higher" than in the past but dismissed charges that the tests had been designed for failure.

On whether the layoffs would severely dent Infosys' brand as the company goes out to campuses for FY26 hiring, he said that plans to hire 20,000 freshers for next fiscal are on track and they should have nothing to worry about as they will get one of the best corporate training.

Responding to allegations that testing parameters, assessment criteria and syllabus were altered and intimidation tactics were resorted leading to the 300 plus terminations at Mysuru campus recently, Mathew said that given that the company invests money and effort to select and put trainees through the training program "it is in the interest of Infosys to see that all these people are successful, and that is when we are able to put them into our projects".

"There is training investment that goes in and we also pay them salary during the training. It is not in the interest of the company to let any of these people go...It is a loss to them of course, it is a loss to us as well," he said adding that the particular batch of trainees had not cleared internal assessments after three attempts.

On the Labour Ministry's direction to Karnataka state labour department to take action, and reports that the Labour Department officials had followed up with visits to Infosys campuses in Bengaluru and Mysuru, Mathew said the Labour Department is in touch with the company and Infosys is cooperating with the authorities.

"Yes, the Labour Department has been in touch with us, they wanted to understand our training process and the assessment etc and we have taken (them) through the entire training process, the assessment, and how this is a critical part of developing the future talent, not just for Infosys, but even for the entire IT industry.

"They have been quite supportive, and I think they understand the entire process that we have been going through in terms of training and assessment, all of that. So we have cooperated with them so far. And there has been no further ask from their side," Mathew said.

Asked if Infosys will consider taking the trainees back and reinstating them, he added "There has been no further ask in terms of taking them back".

Earlier this month, India's second largest IT services company faced a backlash after it laid off over 300 freshers who underwent foundational training at its Mysuru campus but could not clear internal assessments.

The trainees after a two-year wait had been onboarded just a few months ago in October 2024.

IT employee union NITES had sought urgent intervention of Ministry of Labour and Employment urging authorities to take strict action against the company.

Nascent Information Technology Employees Senate (NITES) had, in fact, alleged that employees were summoned to meeting rooms at Infosys' Mysuru campus, and asked to sign "mutual separation" letters.

Mathew countered allegations claiming that at no point were 'bouncers' brought in, nor were intimidation tactics used.

This is not what Infosys stands for, he emphasised.

"I can't even imagine us thinking about 'bouncers' and so on so forth. These are our trainees, and we don't need to bring in bouncers. So that is absolutely not correct. There was also concern that we did not allow people to stay on the campus. Again, there are people who wanted to stay on the campus, and we allowed them to stay on the campus," he said.

Infosys has now postponed, by a week, internal assessments scheduled for another set of trainees, reportedly 800 of them are slated to take their tests.

The company has, however, asserted that the deferment is aimed at giving them additional time for preparation.

"It is in our interest to see how we can help these set of trainees to get through the training program, and that they come out successful at the end of the training so we can continue with them as employees in the company. We have seen the failure rate, and therefore we wanted to give them an additional opportunity and time to prepare," he said.

The additional time will help them in the doubt-clearing, and subject matter experts will be made available so they can actually work with trainees to prepare them well.

US tariffs on India to have limited impact

PTI ■ NEW DELHI

India will be less impacted by the proposed United States (US) reciprocal tariff as the country's economy is mainly driven by domestic demand, and has substantial services exports, which is not going to be targeted by the Trump Administration, S and P Global Ratings said on Wednesday.

US President Donald Trump has announced he will impose reciprocal tariffs on its trading partners, including India.

S&P Global Ratings, Economist Asia-Pacific, Vishrut Rana said the reciprocal tariff will hurt countries like Vietnam, South Korea, Taiwan more as they have high trade surplus with the US.

The Indian economy has two mitigating factors - greater reliance on domestic economy and larger services trade with the US, which is not likely to be tariffed.

In Japan also, there are similar mitigating factors - greater reliance on services trade, and domestically-driven economy.

"Which means (US) trade measures might be less impactful there (India and Japan)," Rana said at the S&P Asia-Pacific Credit Focus webinar.

He also said that reciprocal tariffs may fuel inflationary expectations, thus leading to higher interest rates globally.

S and P Global Ratings, Director, Sovereigns (Asia-Pacific) YeeFarn Phua also said India's economy is largely still domestic-oriented and the nature of the exports to the US is more on the services side, which is less prone to tariffs.

"India's dependence on exports for growth is not that great. So, therefore, I think the impact (of US tariffs) will be more or less limited," he said, adding on the goods side the sectors which could be exposed to higher tariffs are jewellery, pharmaceutical, textiles and chemicals.

Phua said the US may not impose higher tariffs on pharmaceuticals, which are basically generic drugs, from India as it would drive up healthcare costs in its own country.

However, textiles and to some extent chemicals are most at risk of higher tariffs.

"If we were to reimagine that scenario for the first Trump administration to unfold again, I think overall, the impact on India should be quite minimal," Phua added.

Earlier in 2018 under the Presidency of Donald Trump, Washington had imposed an additional 25 per cent import duty on steel products and 10 per cent on certain aluminium products. In retaliation, India in June 2019, imposed additional customs duties on 28 American products.

Efforts to serve complaint on Gautam Adani, Sagar Adani ongoing: SEC

PTI ■ NEW YORK

The United States (US) Securities and Exchange Commission (SEC) has told a federal judge here that its efforts to serve its complaint on Gautam Adani and Sagar Adani in the alleged bribery scheme are "ongoing", including through a request for assistance to the Indian authorities.

The SEC submitted a status update Tuesday to Judge Nicholas Garaufis at the United States District Court, Eastern District of New York regarding its efforts to serve its complaint on Gautam Adani and Sagar Adani.

The SEC said that both Gautam Adani and Sagar Adani "are located in India, and the SEC's efforts to serve them there are ongoing, including through a request for assistance to the Indian authorities to effect service under the Hague Service Convention for Service Abroad of Judicial and Extrajudicial Documents in Civil or Commercial Matters."

The SEC said that its complaint dated November 20 last year alleges that Gautam Adani and Sagar Adani violated the antifraud provisions of the federal securities laws by "knowingly or recklessly making false and misleading representations concerning Adani Green Energy Ltd in connection with a September 2021 debt offering by Adani Green.

It said that because the "defendants are located in a foreign country, Rule 4(f) of the Federal Rules of Civil Procedure (FRCP) governs service of the Summons and Complaint. FRCP 4(f) contains no set time limit for service, and the SEC may serve Defendants 'by any internationally agreed means of service that is reasonably calculated to give notice', such as the Hague Service Convention."

The SEC update, submitted by its Counsel Christopher Colorado, cited a case which notes that service via the Hague Service Convention is one permissible means of serving defendants located in India.

"Since the filing of its Complaint, SEC staff has been working to serve Defendants in accordance with FRCP 4(f). SEC staff has contacted Defendants or their counsel (to the extent SEC staff is aware of such counsel) and has sent them Notices of Lawsuit and Requests for Waiver of Service of Summons, including copies of the Complaint.

"Additionally, under Article 5(a) of the Hague Service Convention, the SEC has requested assistance from India's Ministry of Law and Justice, the Central Authority for India under the Hague Service Convention."

"That process is ongoing, and the SEC will continue its efforts to serve Defendants in India by the methods prescribed by FRCP 4(f)-including under the Hague Service Convention-and will keep the Court apprised of its progress," the SEC said.

In November last year, the Securities and Exchange Commission had charged Gautam Adani, Sagar Adani and Cyril Cabanes, an executive of Azure Power Global Ltd., for conduct arising out of a massive bribery scheme.

Australia's Federation University acquires Employability.life

PNS ■ NEW DELHI

Federation University Australia on Wednesday announced its expansion in India with the strategic acquisition of Employability.life, reaching 10 Million students in higher education to make them work-ready.

Federation University, which dates back to 1870 when the School of Mines in Ballarat was established, has evolved into Victoria's leading regional university, and established local and global partnerships, and produced over 123,000 graduates.

The university is ranked number 175 in the Times Higher Education World's Young Universities.

It is ranked number one in Victoria and number two in Australia for full-time postgraduate employment.

New Delhi headquartered Employability.life, a workplace readiness company, has partnerships with several colleges and universities across Maharashtra, Karnataka, Haryana, Uttar Pradesh, Delhi, and Punjab.

Through this acquisition, Employability.life will be integrated into Federation University's ecosystem, helping to bridge the gap between academic learning and workplace readiness.

Commenting on the acquisition, Professor Duncan Bentley, Vice Chancellor, Federation University Australia said, "Federation University Australia is thrilled to announce the acquisition of Employability.life as part of our mission to deliver a world-class education that combines academic excellence with practical, real-world experience.

Federation University's mission is to transform lives and enhancing communities, and the acquisition of Employability.life will help us deliver on that commitment on a global scale. It will also expand our presence in India where our expertise in supporting regional communities has helped us forge many valuable partnerships in education and research."

Coal ministry plans to offer extra incentives in mine auctions

PTI ■ KOLKATA

The Coal Ministry is planning additional incentives to boost underground (UG) commercial coal block auctions in India, a senior government official said on Wednesday.

The push for UG mining aligns with India's drive for sustainable coal production.

The proposed incentives are in an advanced stage of discussions and are expected to be announced soon, Coal Secretary Vikram Dev Dutt said at a roadshow for commercial coal mine auctions in the city.

Additional Secretary and nominated authority Rupinder Brar clarified that any new incentives and policy relaxations are expected to be applicable prospectively.

The coal ministry's policy evolution has involved multiple stakeholders, including industry players.

"We have consistently refined the auction framework based on industry feedback, ensuring an investor-friendly environment," Dutt said.

The ministry was discussing demands for reclassification, as underground mining faces inherent challenges.

Of the 113 commercial mines successfully auctioned, 37 are underground, officials said.

The ministry is also working to secure environmental concessions with the Ministry of Environment, Forest, and Climate Change.

The ministry believes the next two-three years are crucial for commercial mines to rapidly begin production.

Currently, production from auctioned commercial mines is 20 million tonnes, but combined with captive production, it totals 157 Million Tonnes and is expected to reach 170 Million Tonnes by the end of the fiscal year, an official said.

In 2025-26, this production is projected to rise to 210 Million Tonnes.

MREI facilitates cultural exchange for UK students

PNS ■ NEW DELHI

Manav Rachna Educational Institutions (MREI) facilitated an enriching sport, cultural and academic exchange for over 50 students and faculty members from Havant and South Downs College (HSDC) and Park Community School (PCS) under the UK Government's Turing Scheme, a prestigious international mobility grants programme initiated by the UK government.The exchange featured a thoughtfully designed academic schedule incorporating interactive sessions, hands-on projects, and industry-relevant learning experiences.

Participants engaged in discussions with subject matter experts, attended specialised workshops, and explored innovative solutions in these fields, ensuring a well-rounded and immersive educational experience. The program focused on providing domain-specific insights into sports, sustainability, environmental science, and culinary arts and a deeper appreciation of diverse cultural perspectives.

"Such initiatives play a vital role in expanding students' academic horizons and preparing them for a globally connected world.

Through this journey, we hope to broaden their perspectives, enhance their skills, and build lasting friendships," said Dr. Amit Bhalla, Vice President, MREI. "At Manav Rachna, we are committed to creating transformative learning experiences that empower students with knowledge beyond textbooks," he added.

Julio Carrillo, Turing Coordinator and Team Leader, HSDC said, "I am delighted to be a part of this enriching exchange program between MREI and our institution in the UK. The opportunity for our students and faculty to engage with the vibrant academic and cultural landscape of India is truly invaluable."

India-Qatar trade agreement must be approached with caution: GTRI

PTI ■ NEW DELHI

India should tread cautiously on a potential free trade agreement (FTA) with Qatar, particularly in the petrochemical sector as both countries are strong in this segment, economic think tank GTRI said on Wednesday.

The Global Trade Research Initiative (GTRI) added that India should ensure that tariff concessions on petrochemicals and energy-related imports do not undermine domestic industries. According to a joint statement issued after the meeting of Prime Minister Narendra Modi and Amir of Qatar Sheikh Tamim bin Hamad Al-Thani, the two sides agreed to explore the possibility of entering into a bilateral comprehensive economic partnership agreement (CEPA) with an aim to double bilateral trade to $28 Billion by 2030.

Normally in a CEPA, a kind of free trade agreement (FTA), two trading partners either eliminate or significantly reduce customs duties on the maximum number of goods (90-95 per cent) traded between them.

Besides, they ease norms to promote trade in services and boost investments.

Given the trade structure between the two nations, a trade agreement "must be approached with caution," the Global Trade Research Initiative (GTRI) Founder Ajay Srivastava said.

India has a well-developed domestic petrochemical industry that could face challenges if tariff reductions lead to an influx of cheaper Qatari imports, he said, adding that India already has a significant trade deficit with Qatar, which could widen further post-trade pact if market access benefits are not balanced.

"A careful evaluation of sectoral impacts, particularly in energy and manufacturing, will be essential before proceeding with such an agreement," he said.

India's trade with Qatar is marked by a significant imbalance.

In 2023-24, the country's imports from Qatar stood at $12.34 Billion, while its exports were only $1.7 Billion.

A large portion (85 per cent) of India's imports from Qatar comprises LNG ($6.3 Billion), butane, propane mostly for LPG production ($3.1 Billion), and petroleum crude ($1.1 Billion).

Meanwhile, India's primary exports to Qatar include Basmati rice ($124 Million), articles of iron and steel ($200 Million), and machinery ($106 Million).

According to the GTRI, as of 2024, Qatar has a gross domestic product (GDP) of $221.4 Billion, and a population of about 3.1 Million. India has a GDP of $4 Trillion and a population of 1400 Million. The bilateral trade has declined to $14 Billion in 2023-24 from $18.77 Billion in 2022-23.

India received $1.5 Billion of foreign direct investments from that country between April 2000 and September 2024.

Qatar's key exports to India include LNG, LPG, chemicals and petrochemicals, plastics, and aluminium articles, while India's key exports include cereals, copper articles, iron and steel articles, vegetables, fruits, spices, processed food products, electrical and other machinery, plastic products, construction material, textiles and garments, chemicals, precious stones and rubber.

Markets end marginally lower in volatile trade

PTI ■ MUMBAI

Benchmark indices Sensex and Nifty ended marginally lower in a volatile trade on Wednesday dragged by blue-chip IT stocks.

The 30-share BSE benchmark Sensex dipped 28.21 points or 0.04 per cent to settle at 75,939.18. Intra-day, it hit a high of 76,338.58 and a low of 75,581.38, gyrating 757.2 points.

The NSE Nifty skidded 12.40 points or 0.05 per cent to 22,932.90.

From the Sensex pack, Tata Consultancy Services and Infosys fell over 2 per cent each. Hindustan Unilever, Bharti Airtel, Sun Pharma, Power Grid, Bajaj Finserv, HCL Tech, Mahindra & Mahindra, and Tech Mahindra were also among the laggards.

Among the gainers, Zomato jumped nearly 5 per cent. Larsen & Toubro, Axis Bank, ICICI Bank, IndusInd Bank and Kotak Mahindra Bank were also among the gainers.

"The national benchmarks exhibited a range-bound performance with a slight downward bias, though selective buying in the broader market was evident, driven by bargain hunting in beaten-down stocks.

"A reversal in FII flows also influenced market dynamics; however, the durability of this trend remains uncertain. Despite concerns over potential US tariff impositions and delays in anticipated interest rate cuts, market sentiment remains optimistic about a rebound in India's Q3 GDP growth," Vinod Nair, Head of Research, Geojit Financial Services, said.

In Asian markets, Seoul and Shanghai settled in the positive territory while Tokyo and Hong Kong ended lower.

European markets were trading mostly lower.

US markets ended in positive territory on Tuesday.

"While markets ended flat with a slightly negative bias due to selling in IT stocks, broader markets witnessed a lot of optimism as mid and smallcap stocks rallied after the recent sell-off.

"Despite the uncertainty over rising FII selling, falling rupee, and the ongoing tariff war, the recently beaten sectoral stocks from banking, automobile, telecom, metals attracted significant buying interest," Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities Ltd, said. Foreign Institutional Investors (FIIs) turned buyers on Tuesday after unabated selling. They bought equities worth ₹4,786.56 Crore, according to exchange data.

The BSE smallcap gauge jumped 2.41 per cent and midcap index climbed 1.30 per cent.

Ola Electric renegotiates registration agency contracts

PTI ■ NEW DELHI

Ola Electric on Wednesday said it is renegotiating contracts with its vehicle registration agencies, which will temporarily affect registrations on government's VAHAN portal but not the actual sales, while adding that consumer rights protection authority CCPA has sought additional documents related to over 10,000 consumer complaints against the company.

In a stock exchange filing, Ola said it is discussing revising existing agreements with Rosmerta Digital Services Private Ltd and Shimnit India Private Ltd as part of a sales overhaul.

This will "temporarily affect" registration numbers reflecting on the VAHAN portal in February.

"We are renegotiating the terms of agreement with our agencies, namely Rosmerta Digital Services Private Ltd and Shimnit India Private Ltd, to reduce cost and enhance registration process efficiencies. Due to ongoing negotiations and optimisation of the registration process, our registration numbers for the month of February 2025 (on VAHAN portal) will be temporarily impacted.

Our sales continue to be strong through February 2025 and the dip in registration will be streamlined in the next few weeks," it said.

According to the company's exchange filing, the negotiations aim to reduce costs and modify the registration process. Ola Electric works with the registration agencies as it does not operate through automobile dealerships but only through company-owned stores as part of a direct-to-consumer strategy.

How Tesla's investment will strengthen economy

BINOD ANAND ■ NEW DELHI

As India embraces sustainability and innovation, a cooperative economic framework becomes essential to address G-local challenges through responsible Business. This ensures shared growth by fostering collaboration between multinational corporations, small and medium enterprises (SMEs), and government bodies. Establishing a Cooperative Economic Zone (CEZ) for green manufacturing will create an ecosystem where industries like Tesla thrive while benefiting local businesses and workers in India's transition to a net-zero emissions economy. A CEZ dedicated to electric vehicles (EVs) and clean energy will integrate research, development, and production under a single umbrella, facilitating knowledge sharing and resource optimization. With streamlined policies, incentives, and sustainable infrastructure, India can accelerate its ambitions to become a global hub for EV manufacturing, battery technology, and renewable energy solutions.

For years, Indian consumers have awaited a future where advanced technology, affordability, and sustainability coexist. The dream of cleaner air, reduced fuel dependency, and premium EV accessibility seemed distant-until now. With Tesla coming to India and in future can be explored as investing in India under the 'Make in India' initiative, the nation may undergo a transformative shift. This is not merely a business expansion; it is a revolution redefining mobility, generating employment, and positioning India as a global leader in EV manufacturing. A major advantage for Indian buyers will be cost-effective Tesla vehicles. High import duties have kept EV prices elevated, making them inaccessible to many. Local manufacturing eliminates these costs, allowing Tesla to offer premium EVs at competitive prices, promoting mass adoption. Additionally, Tesla's advancements in battery technology will reduce operational costs for consumers. The expansion of Tesla's energy storage solutions in India could also lead to more affordable home and business energy solutions, reducing reliance on conventional power sources and promoting sustainability. Eastern India presents a unique opportunity for Tesla to establish a world-class manufacturing hub like those in Germany.

With Elon Musk's capability to invest through a cooperative economic framework, this region, rich in natural resources and labor availability, can provide Tesla with economies of scale.

INBRIEF

RECPDCL HANDOVERS TWO NUMBER OF SPVS OF TRANSMISSION PROJECTS TO PGCIL

NEW DELHI: REC Power Development and Consultancy Limited (RECPDCL) handed over two number of project specific Special Purpose Vehicles (SPV) of ISTS Transmission Projects to Power Grid Corporation of India Limited

CLW TURNED OUT 581 ELECTRIC LOCOMOTIVES OF THE FY 2024-25

NEW DELHI : Chittaranjan Locomotive Works (CLW) turned out the 581st Electric Locomotive for the financial year 2024-25, surpassing its highest ever production of 580 locomotives achieved in the financial year 2023-24. This is the highest ever production in any financial year.

Vastu Rules and Regulations
Embracing vastu for apartment buildings and houses

In the fast-paced world of apartment living, finding a sense of harmony and tranquility can often feel like an elusive goal. Fortunately, the ancient science of Vastu Shastra offers profound insights into creating spaces that resonate with positive energy and well-being. Whether you are planning to construct or reside in an apartment building or house, adhering to Vastu rules and regulations can lead to a more pleasant and prosperous living experience. Join us as we explore some of the essential Vastu guidelines for apartment buildings and houses, focusing on the main entrance direction and its impact on the flow of energy. Discover how specific orientations can usher in hope, prosperity, and spiritual balance. Unlock the secrets to harmonious living through the age-old wisdom of Vastu Shastra.

Main entrance direction

The main entrance of a building holds paramount importance in Vastu, as it is considered the gateway for energy to enter and circulate within the premises. Vastu recommends having the main entrance facing towards the east, north, or northeast direction.

- **East-facing entrance:** The east direction is associated with the rising sun, which symbolizes new beginnings, hope, and positivity. Having the main entrance facing east allows the morning sunlight to enter the house, which is considered auspicious and promotes good health and vitality. It brings in a sense of freshness and rejuvenation, making it an ideal orientation for homes.

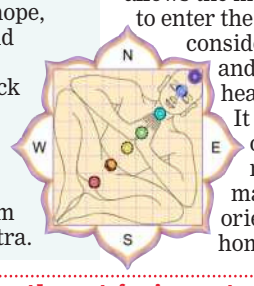

- **Northeast-facing entrance:** The northeast direction is considered the most spiritually significant in Vastu. It is associated with the element of water and represents a harmonious balance of energies. Having the main entrance facing northeast is believed to enhance the spiritual atmosphere of the house and promote overall well-being.
- **North-facing entrance:** The north direction is associated with the magnetic energy, and having the entrance facing north is considered beneficial for career and financial growth. This orientation is believed to attract opportunities and prosperity into the household.
- **West-facing entrance:** The west direction is associated with the setting sun, which signifies closure and endings. Having the main entrance facing west is considered less favorable in Vastu, as it might lead to a lack of enthusiasm and hinder progress in life.
- **Northwest-facing entrance:** The northwest direction is associated with air and wind, and having the main entrance facing this direction can bring positive energies related to social connections and networking. This orientation is considered favorable for businesses and social interactions.
- **Southeast-facing entrance:** The southeast direction is associated with the element of fire, making it suitable for the kitchen or a home office. However, having the main entrance facing southeast is not recommended, as it may lead to increased expenses and unnecessary stress.
- **Avoid Southwest-facing entrance:** Vastu strongly advises against having the main entrance facing the southwest direction. The southwest is associated with the earth element and represents stability and grounding. While these are generally positive attributes, having the main entrance in this direction is believed to bring negative energy and create disturbances within the household.

Ashwagandha is the perfect anti-ageing herb

Ayurveda considers Ashwagandha to be one of its most important herbs. Ashwagandha has been used for thousands of years to relieve stress, increase energy levels, and improve concentration. It is also known as Indian ginseng and winter cherry. The root, leaves, seeds and fruits of the ayurvedic herb are used for medicinal purposes. An adaptogen, the herb is popular for its ability to manage stress. The therapeutic properties of Ashwagandha are the major reason for its incorporation into modern medical science. Rich in antioxidants, tannins, iron, nitrates, potassium, fatty acids and glucose, the herb can positively affect the endocrine, cardiovascular, and central nervous systems. Today, we will look at the anti-ageing benefits of Ashwagandha.

Anti-ageing benefits of ashwagandha

Simply consuming or topically using Ashwagandha will not miraculously improve your skin or provide you with anti-ageing properties. So, how does it work?

1 Improves skin cell health

Telomerase is an enzyme that plays a vital role in the ageing process. The root extracts of Ashwagandha boost telomerase activity, thus extending the lifespan of healthy skin cells. This prevents telomerase loss and perhaps delays ageing. Ashwagandha's high antioxidant content helps to battle skin ageing symptoms, such as wrinkles, fine lines, blemishes and dark spots. In addition, reducing wrinkles contributes to the appearance of younger-looking skin.

3 Suppresses inflammation

By controlling histamine release that stimulates an inflammatory response in the body, Ashwagandha relieves swelling and inflammation in any part of the body. Your body cannot heal without this immune system response, known as inflammation. For example, a raised, red, or warm rash on the skin may be due to skin inflammation. Inflammatory rashes may cause blisters, pimples, burns, sting, or itchy symptoms. In addition, research has shown that chronic inflammation damages your body's cells and tissues, speeding up the ageing process.

2 Prevents premature ageing caused by stress

The antioxidants in Ashwagandha help to combat free radical damage, which makes you feel more youthful. It soothes the skin, brightens it, and increases the skin's cellular energy when applied topically. Ashwagandha is rich in collagen, a powerful anti-ageing compound, and natural oils that make your skin smooth and supple. In addition to reducing anxiety and depression, Ashwagandha's alkaloids work on the nervous system. In turn, this has a direct impact on the health of the skin of an individual. For example, a condition known as keratosis causes rough and damaged skin. Ashwagandha is beneficial in regulating keratosis and relaxation of the skin's tissues.

4 Collagen support

Collagen is a vital protein responsible for maintaining the skin's elasticity and firmness. As we age, collagen production tends to decrease, leading to the appearance of wrinkles and sagging skin. Ashwagandha has been studied for its potential to stimulate collagen synthesis. By supporting collagen production, the herb may help improve skin elasticity and reduce the visible signs of ageing, promoting a more youthful and radiant complexion.

5 Hydrates skin

As a component of the skin's hydration, hyaluronan plays a key role. Ashwagandha increases hyaluronan production in the skin and provides ample hydration and deep moisturisation, resulting in firmer, softer, smoother skin.

Note: Ashwagandha can negatively affect the skin by causing outbreaks, skin rashes, allergies and inflammation. Therefore, make sure you do a patch test.

How to use ashwagandha for skin?

Ashwagandha is best known for its use as a face pack. However, it can also be consumed as a supplement. Mix ashwagandha powder with water to form a paste. Apply this to the face and neck and wash with cold water after it's dry.

Note: Ashwagandha reduces cortisol levels, thus providing skin benefits. In addition, stimulating collagen production enhances the repair and regeneration of skin cells. The combination of all of these factors contributes to the slowing down of ageing. In general, Ashwagandha is considered to be relatively safe for most individuals. However, Ashwagandha may not be appropriate for everyone, so it is highly recommended to consult a healthcare professional before taking it.

The remarkable benefits of breastfeeding for infants

Breastfeeding is a natural and essential way of nourishing infants, providing a plethora of benefits for both the baby and the mother. The unique composition of breast milk ensures optimal nutrition and immunity support, while also fostering emotional bonding and cognitive development. Research says that any amount of breast milk is beneficial for babies. As per National Family Health Survey (NFHS-4) - Breastfeeding is common in Maharashtra, but only about 7 in 10 children under 6 months are exclusively breastfed, as recommended by the WHO. About 9 in 10 babies are put to the breast within the first day of life, but only about half of them start breastfeeding in the first hour of life, which is also recommended by the WHO. Despite the progress seen in exclusive breastfeeding indicators since NFHS-4, a significant number of infants continue to miss out on the essential benefits of colostrum, the highly nutritious first milk rich in antibodies. WHO recommends that even if you can only breastfeed for a short time, it is still worth. The benefits of breastfeeding start to decline after about 6 months, but they continue to be significant for up to 2 years. So, let's explore the remarkable advantages of breastfeeding on a child's well-being.

DR PRADEEP SURYAWANSHI
Director-Neonatology & Paediatrics, Sahyadri Hospitals, Pune

1 Immunity: Breast milk contains antibodies that help protect babies from infections. One of the most extraordinary benefits of breastfeeding is its ability to fortify a child's immune system. Breast milk contains antibodies and immune factors that help protect infants from a myriad of infections and diseases, reducing the likelihood of illnesses like respiratory infections, ear infections, and gastrointestinal issues. Breastfed babies are less likely to get sick, and if they do get sick, they are less likely to get as sick as formula-fed babies.

2 Lower risk of chronic diseases: Breastfeeding has long-term health benefits for children, reducing their risk of certain chronic conditions. Studies have shown that breastfed infants have a lower likelihood of obesity, type 2 diabetes, and certain types of cancer later in life, highlighting the significance of breastfeeding in establishing a healthy trajectory for the child's future well-being.

3 Nutrition: Breast milk is the perfect food for babies. It contains all the nutrients that babies need for their growth and development, including a perfect blend of protein, fat, carbohydrates, vitamins, and minerals. It is easily digestible, ensuring that babies receive the essential nourishment they need during the crucial early stages of life.

4 Development: Breastfeeding babies may have better language skills, memory, and problem-solving skills. Studies have indicated a positive correlation between breastfeeding and enhanced cognitive development in children. The unique composition of breast milk, including long-chain polyunsaturated fatty acids (LCPUFAs), may contribute to improved brain development and intelligence, laying the foundation for a child's learning abilities.

5 Proper jaw and tooth development: The act of breastfeeding requires the baby to use their facial muscles and jaw in a coordinated manner, contributing to proper jaw and tooth development. Breastfed babies may have a reduced risk of developing dental issues, as the natural sucking action during breastfeeding promotes healthy oral development.

6 Bonding: Breastfeeding is a great way to bond with your baby. The skin-to-skin contact, eye contact, and physical closeness during feeding sessions create feelings of security, trust, and comfort. This intimate connection promotes a sense of emotional well-being in both the baby and the mother, nurturing a strong foundation for healthy.

7 Convenience: Breast milk is always available, and it doesn't need to be warmed up. This makes it easy to feed your baby whenever they are hungry, even when you are out and about. Breast milk adjusts to the baby's needs, helping regulate their body temperature. This adaptability ensures that the infant stays warm during colder temperatures and cool during warmer weather, maintaining a comfortable environment for the child.

Breastfeeding is a remarkable journey that offers a multitude of benefits for infants. From providing optimal nutrition and immune system support to fostering emotional bonding and cognitive development, breast milk is truly a gift of nature that promotes a healthier start in life for every child.

Is dried coconut nutritious?

Most of us eat dry fruits but seldom prefer dry coconut. But in some parts of India, dry coconut is shredded and is used in many dishes as well as sweets. Yes, even dried coconut has nutritional value and it can be a part of your healthy diet. It is tasty and adds a specific taste and flavour to the dishes it is added to. As the shelf period of dried coconut is longer, it enjoys more popularity in kitchens compared to fresh coconut which doesn't last longer than a day. In order to use dried coconut, you may need to flake it, grate it or shred it. The process of drying a coconut just removes the water content in it without destroying its nutrients. Though it is healthy, use it limitedly in your dishes as it contains saturated fat. Now, let us discuss its benefits.

- Coconut offers several minerals that are good for your bones, tendons, ligaments and skin. It can prevent osteoporosis by strengthening your connective tissues.
- It can also reduce bad cholesterol levels and boost the levels of good cholesterol. Include it in your recipes.
- It supplies iron and thereby prevents disorders like anemia which occur due to iron deficiency.
- Some nutrients present in coconut play a role in the creation of neurotransmitters. Therefore, coconut is good for brain activity.
- It is a good source of healthy fat. Your body needs some fat too. But ensure that you don't overeat dried coconut as that isn't so healthy for your weight.
- It is good for arteries and is good for your heart. But consuming it in moderation is important.
- It contains fibre in it. This makes you feel full after you eat a dish in which dried coconut is added.

Did you know these side effects of green tea?

Every year, International Tea Day is observed on 21 May according to the United Nations (UN). The International Tea Day aims to raise awareness of the long history and the cultural and economic significance of tea around the world. Green tea is one of the oldest known herbal teas that has been consumed for ages and currently, the antioxidant-rich tea has secured its place on the shelf of anyone and everyone concerned about their health. For decades many have praised the therapeutic properties of tea and interestingly consuming green tea was even purported to have brought a thirteenth-century Japanese official back from his death bed. Green tea which is made from the Camellia sinensis plant has been popular among the masses for several decades for its immensely professed health benefits, whether be it weight loss, inflammation or bloating.

Benefits of drinking green tea

Drinking green tea can be favourable, since the L-theanine in it is believed to offer copious benefits for health, like easing anxiety and reducing the risk of cardiovascular disease. Green tea contains a mixture of polyphenolic compounds like flavanols, flavonoids and phenolic acids, which are specialized antioxidants that try to inhibit the cells causing cancer and significantly tries to exterminate the process. It may even shrink the growing risk of cancer, yet did you know that green tea has its side effects? It is important that you consume it in moderation. Drinking green tea during pregnancy is not good since it contains caffeine. Caffeine intake is always discouraged during pregnancy. Those with low tolerance of caffeine will suffer from ingesting it, as it can cause heartburn, headache, diarrhoea, high blood pressure and diabetes. So, let's find out the downside of drinking green tea. Let's take a look at the side effects of drinking green tea.

How much green tea can i drink a day?

Based on studies and according to health experts, it is optimal to drink two to five cups of green tea per day, with 3 being the healthy choice.

How much green tea is too much?

Medical studies point out that 10 cups of green tea daily is the upper limit. If you are sensitive to caffeine or suffer from insomnia, 10 cups of green tea are probably going to be too much for your system - so stick to 2 or 3.

When is the best time to drink green tea?

Drink green tea in the morning around 10:00 to 11:00 pm or early at night. You can drink a cup of green tea between meals, for example, two hours before or after to maximize the nutrient intake and iron absorption. If you suffer from anemia, avoid drinking green tea along with food.

Side effects of green tea

Causes headaches

You can suffer mild headaches in the long run if you consume more quantities of green tea for a very long period. It will cause acute headaches because of the caffeine content in the beverage.

Reduces iron absorption

Drinking green tea would interfere with nutrient absorption. The main compound of the tea combines with the iron, causing it to lose its antioxidant property, decreasing the absorption of iron from food. A lack of iron can lead to shortness of breath, headache and fatigue. You can consume green tea 2 hours before or after the meal so that you won't lose out on iron. The tannin content in green tea will reduce the bioavailability of iron. It has to be taken either 2 hours before or 4 hours after iron administration. Consuming green tea along with dietary iron (red meat and dark leafy greens) can lessen the he... benefits of the tea.

Causes gastrointestinal problems

Excessive consumption of green tea can have adverse effects as it contains caffeine and antioxidant polyphenols which in large amounts can cause acidity and related problems. The tannins present in green tea increase acidity in the stomach and cause stomach ache, nausea and constipation. Thus, consuming green tea on an empty stomach must be avoided. Individuals suffering from ... should ... ng green ... ould try ... gastric ... e for ... e if they ... 3 glasses ... een ... every ... day.

Affects sleep pattern

Never drink green tea before you hit the bed as the caffeine in it can block sleep-inducing elements in the brain and thereby will make you alert and focused - something you do not want to be while trying to get some shut-eye. Pregnant women and women who breastfeed need to limit the intake of green tea, as it has caffeine content. The tea can pass into breast milk and will cause sleep disorders in the nursing infant. The caffeine content, when in excess, can cause insomnia, irritability and nervousness.

Causes liver damage

The polyphenols found in green tea, when in large quantities can cause certain health problems in the liver and kidney. According to a study, the build-up of caffeine can stress the liver. So, avoid consuming more than 4 to 5 cups of green tea every day.

Causes irregular heartbeat

For individuals suffering from heart diseases, green tea may not be the right choice. Although rare, studies have proven that green tea elevates blood pressure and may interfere with certain blood pressure medications.

Impacts bone health

Excess consumption of green tea increases the risk of bone disease such as osteoporosis in individuals who are at risk. Compounds in green tea inhibit the absorption of calcium, resulting in a deterioration of bone health. Limit your intake to 2 to 3 cups of green tea if you are at risk of any bone disease.

Shubman Gill becomes No 1 ODI batsman

PTI ■ DUBAI

India vice-captain Shubman Gill on Wednesday dethroned Babar Azam of Pakistan from the Number one spot in the ICC ODI Rankings for batters on the back of his strong show against England in the recent home series.

The ICC issued the latest rankings just ahead of the start of the eight-team Champions Trophy (CT) in Karachi with the match between Pakistan and New Zealand.

"India right-hander Shubman Gill overtakes former Pakistan captain Babar Azam to become the top ranked ODI batter in the world," the ICC said.

Gill, who scored two fifties and a century in the recent three-match ODI series against England at home which India won 3-0, jumped one place to the No. 1 spot. He now has 796 rating points compared to Babar's 773.

India skipper Rohit Sharma is placed at the third spot with 761 points followed by South Africa's Henrich Klaasen and New Zealand's Daryl Mitchell at fourth and fifth respectively.

"It's a major shake-up at the top of the rankings just prior to the start of the Champions Trophy and leaves an interesting sub-plot to what will transpire over the coming weeks during the eight-team tournament in Pakistan and Dubai," the ICC said.

"This is the second time Gill has held the No.1 ranking in ODI cricket, with the India batter having also gone past Babar to claim top spot midway through the ICC Men's Cricket World Cup in 2023.

"Gill has been in excellent form of late, with his century against England in Ahmedabad during the third ODI of the recently concluded series enough to catapult the 25-year-old to the top of the rankings," the global governing body added.

Sri Lanka's Maheesh Theekshana, meanwhile, has taken the first position in the ODI rankings for bowlers as he replaced Afghanistan captain Rashid Khan.

"While Sri Lanka won't be featuring at the Champions Trophy, Theekshana earned the top spot following his exploits against the Aussies that included an excellent four-wicket haul in the opening match of that series in Colombo," the ICC said.

Sri Lanka had recently handed a 2-0 whitewash to Australia with Theekshana taking four wickets.

The Sri Lankan spinner has 680 rating points, followed by Rashid at second, Namibia's Bernard Scholtz at third, India's Kuldeep Yadav at fourth and Pakistan's Shaheen Shah Afridi at fifth.

"Meanwhile, Afghan spin wizard Rashid drops to second and will be keen to regain the No.1 spot as he trails his Sri Lankan counterpart by just 11 rating points," the ICC said.

"While a trio of spinners in India's squad Kuldeep Yadav (up one place to fourth), South Africa's Keshav Maharaj (re-enters the rankings in sixth) and New Zealand's Mitchell Santner (up four rungs to seventh) are all inside the top 10 after making ground this week."

Afghanistan veteran Mohammad Nabi remains the top ranked all-rounder in ODIs, followed by Sikandar Raza, Azmatullah Omarzai, Mehidy Hasan Miraz and Rashid.

Ex-Mumbai captain, selector Milind Rege passes away at 76

PTI ■ MUMBAI

Former Mumbai captain and selector Milind Rege, a highly respected figure in domestic cricket, died after suffering a heart attack on Wednesday, just days after turning 76.

Rege, who turned 76 last Sunday, was admitted in the intensive care unit of the Breach Candy Hospital here and passed away around 6am on Wednesday morning. He is survived by his wife and two sons.

The all-rounder had suffered a heart attack at the age of 26 but returned to the cricket field and even captained Mumbai in the Ranji Trophy.

He played 52 First-Class matches between 1966-67 and 1977-78, taking 126 wickets with his right-arm off-break bowling. He also contributed with the bat, scoring 1,532 runs at an average of 23.56. Legendary batter Sachin Tendulkar recalled Rege's contribution in the early days of his career.

"Sad to hear about Milind Rege Sir's passing. He was a true Mumbai cricketer with immense contributions to the city's cricket. He and other CCI members saw potential in me and asked me to play for CCI, which, as I look back now, was a landmark moment in my career," Tendulkar wrote on 'X' in a tribute.

"He could pick out a talented player from a sea of hardworking hopefuls. He had a special sixth sense to pick talent at all levels, but especially at junior levels.

"He leaves behind a void, one that's tough to fill. He may not be around, but his imprint on people's lives will always live on. He made a difference to so many lives and definitely made a difference to mine. Thank you, Sir, for everything. Heartfelt condolences to his friends and family," Tendulkar added.

The Indian cricket board also conveyed its condolence message.

"The BCCI mourns the passing of Milind Rege, former Mumbai captain and selector. A pillar of Mumbai cricket, he played a key role in its growth and legacy. His keen eye for talent and contributions as a commentator earned admiration across the cricketing fraternity," it said.

"The Board extends its heartfelt condolences to his family, friends, and the @MumbaiCricAssoc," the BCCI added.

Former India all-rounder and coach Ravi Shastri described Rege as a "true champion".

"Really sad to hear about the demise of a dear friend Milind Rege. A true Champion in his contribution to Mumbai and Tata's cricket all-round. A Mentor Par Excellence. Heartfelt condolences to Raj and family. God bless his soul," he said.

A childhood friend of former India captain Sunil Gavaskar, Rege attended the same school and college as Gavaskar and played alongside him at the Dadar Union Sporting Club.

As one of the most revered figures in Mumbai as well as domestic cricket, Rege held several roles through his career and was also associated with with the Mumbai Cricket Association as a cricket advisor.

The Mumbai cricket team, which is currently playing their Ranji Trophy semifinal against Vidarbha in Nagpur, took the field on the third day wearing black armbands to honour Rege.

Raducanu loses to Muchova in Dubai Championships

PTI ■ DUBAI

Emma Raducanu lost to Karolina Muchova after an emotional first set in which a spectator was ejected at the Dubai Championships.

The 2021 US Open champion appeared to be in tears as she went to the umpire's chair after the second game Tuesday and her second-round match was briefly paused on Court 2.

After speaking to the umpire, who immediately called tournament organizers, Raducanu stood in a small space between the official's chair and courtside screening before Muchova moved over to console her.

Raducanu then picked up a towel, wiped her face, nodded and continued the match.

The British player rallied from 4-0 down to force a tiebreaker but eventually lost 7-6 (6), 6-4 to Muchova.

Organizers of the women's tour issued a statement later saying Raducanu was approached in a public space Monday "by a man who exhibited fixated behavior" and "this same individual was identified in the first few rows during Emma's match on Tuesday... And subsequently ejected."

"He will be banned from all WTA events pending a threat assessment.

The WTA said it was working with Raducanu and her team "to ensure her well-being and provide any necessary support."

A man who stalked Raducanu while she was still a teenager was sentenced to an 18-month community service order and given a five-year restraining order after appearing in a British court in 2022.

Amrit Magar, a former delivery driver from London, went to Raducanu's home on three separate dates, loitered outside, left unwanted gifts and cards, and stole property.

Raducanu rose to fame in 2021 by winning the US Open as a qualifier, one of the the most unlikely achievements in tennis. She hasn't been past the third round at a major since then and has spent long stints recovering from injuries.

The 14th-seeded Muchova advanced to a meeting against No. 53-ranked McCartney Kessler, who upset 2023 U.S. Open champion Coco Gauff 6-4, 7-5.

Third-ranked Gauff hadn't fallen to an opponent ranked outside the top 50 since a loss to Sofia Kenin (128th) at Wimbledon in 2023.

Earlier, second-seeded Iga Swiatek beat Victoria Azarenka 6-0, 6-2 and will next face Dayana Yastremska for a spot int the quarterfinals.

Top-seeded Aryna Sabalenka eliminated Veronia Kudermetova 6-3, 6-4, and defending champion Jasmine Paolini defeated Eva Lys 6-2, 7-5.

Ranji Trophy semifinal: Vidarbha lead by 260 runs against Mumbai

PTI ■ NAGPUR

Yash Rathod and Akshay Wadkar shared an unbroken 91-run partnership as Vidarbha recovered from a mini collapse to lead by 260 runs against Mumbai at stumps on day three of their Ranji Trophy semifinal here on Wednesday.

After Vidarbha dismissed Mumbai for 270 to take a first-innings lead of 113 runs, the hosts found themselves in trouble after being reduced to 56 for four, thanks to Shams Mulani's (2/50) two-wicket burst.

However, Rathod (59) and Wadkar (31) steadied the ship, guiding Vidarbha to 147 for four in 53 overs.

At stumps, the duo, who train at the same academy in Nagpur, remained at the crease, but with Mulani and the spinners making the ball talk, Vidarbha are aware that the job is far from over, with two full days of play remaining.

With a 113-run first innings lead in hand, the hosts had a solid foundation, but Mumbai all-rounder Shardul Thakur (1/14) gave them a glimmer of hope with an early breakthrough in the second over.

Thakur, who is set to join Essex for the County Championship, removed Atharva Taide for a duck, trapping him in front with an inswinger.

Danish Malewar (29), who scored a vital 79 in the first innings, looked in good touch, hitting five boundaries before Mulani dismissed him off his own bowling with a sharp caught-and-bowl effort, leaving Vidarbha at 40 for two.

Karun Nair (6), in scintillating form, joined opener Dhruv Shorey (13) at the crease, but Tanush Kotian (1/33) made an impact, dismissing Shorey LBW after he missed a classic off-break delivery.

Much was expected of Nair, but he too fell, sent back by Mulani, as Vidarbha slumped to 56 for four. Nair was rapped on the pads while trying to defend and although he challenged the on-field umpire's decision, he lost the appeal. Wadkar and Rathod then regrouped, building a steady partnership to bring Vidarbha back on track.

Earlier, Akash Anand completed his second first-class century and shared a 69-run stand with Tanush Kotian (33) to lead Mumbai's recovery after they ended the second day at 188 for seven.

Anand, who resumed his innings on 67, played a gritty knock, facing 256 balls and hitting 11 fours. His partnership with Kotian took Mumbai close to the 250-mark before left-arm spinner Parth Rekhade broke the stand, removing Kotian with a delivery that drifted in from around the stumps to bowl him out.

Djokovic loses to Berrettini in Doha

PTI ■ DOHA

Novak Djokovic was upset by Matteo Berrettini 7-6 (4), 6-2 on Tuesday at the Qatar Open in the Serb's first match since exiting the Australian Open with a hamstring injury.

The 37-year-old Djokovic, ranked No. 7, lost to the Italian for the first time in five career matches and will have to wait to join Jimmy Connors (109) and Roger Federer (103) as the only players in the ATP Tour's 100-win club.

The 24-time Grand Slam champion reached the Australian Open semifinals but retired from the last-four match against Alexander Zverev because of a hamstring injury.

Djokovic said he didn't have "any pain or discomfort."

"I was outplayed by just a better player today," he said. "I wasn't at my desired level, and it could be that I'm still not moving the way I want to move, but ... I played without pain, so there is no excuse in that."

Berrettini won for the 10th time in his career against a top-10 player and will face Tallon Griekspoor in the second round.

Always liked Champions Trophy as tournament: Virat

PTI ■ DUBAI)

Indian superstar Virat Kohli has always liked the format of Champions Trophy (CT) as it demands the eight participating teams to be at their best from the get go. The Champions Trophy is taking place for the first time since 2017 when India lost the final to Pakistan.

India open their campaign against Bangladesh here on Thursday.

"The tournament is happening after a long time. I have always liked this tournament. It represents consistency as you have to be in the top 8 of the rankings (to qualify). The level of competition is always good," Kohli told Star Sports.

Kohli, who has played three editions of the 50-over event in 2009, 2013 (when India won) and 2017, likened the tournament to the fast-paced T20 World Cup.

"In ODI format, it creates the pressure of a T20 World Cup. There also you have three or four games in the league stage. If you don't start well, you are under pressure. The pressure is from the first game itself and that is why I like it, you have to be at your best from game one," said the former India captain. India will play their remaining league games against Pakistan on February 23 and New Zealand on March 2. While the tournament host is Pakistan, India will be playing all the games in Dubai as part of the event's hybrid model.

Kohli will be aiming for a bagful of runs in the tournament after a tough Test tour of Australia. He was back amongst the runs in the preceding ODI series against England, scoring a half-century in the final game in Ahmedabad.

Bangladesh can beat any team in Champions Trophy: Shanto

PTI ■ DUBAI

Heading into their Champions Trophy (CT) opener against formidable neighbours India, Bangladesh skipper Najmul Hossain Shanto was filled with optimism. He was particularly emboldened by the rise of pace sensation Nahid Rana, who has added a new dimension to their bowling attack.

The 22-year-old Rana holds the record for the fastest ball (152kph) bowled by a Bangladesh cricketer, hits 150kph on occasion, and averages 145kph for most of his spells.

Besides the presence of Rana and experienced pace colleague like Taskin Ahmed, the team also has few useful all-rounders and spinners, and some good batters. "Obviously, all-rounders always balance the team and we have got some good all-rounders. I hope they will perform tomorrow," Shanto said in the pre-match press conference here on Wednesday.

"If you look in this format, our team is quite balanced and we believe we can beat any team in this tournament. All teams are capable of winning this trophy but I am someone who is not thinking about the opponents much. If we execute our plan properly we can beat any team in any day," Shanto said.

After years of struggle, Bangladesh are now in a position to boast a good pace-bowling attack, feels Shanto.

"Yes, obviously. I think we always struggle with our seam attack, but last couple of years we have got some quality fast bowlers. Now we have got Nahid Rana, Taskin the way they are bowling. I think it helps a lot.

"As a captain, we love to see them bowling fast. So, I'm really happy that we have got a good fast bowling unit and under lights the ball might swing. So, if they bowl in the good areas, it will help our team."

Rana has done well in his nascent career, having taken 20 wickets in six Tests and four scalps in three ODIs.

Bangladesh are in a group in which the spotlight is on traditional rivals India and Pakistan, and Shanto was asked if this is a favourable position to be in before a big tournament.

"Yeah, obviously. I think if you look at all eight teams - they are quality teams. And against India, Pakistan, New Zealand,

we have good memories. We won a couple of matches in recent times.

"Last year, when we played India in Bangladesh, we have some good memories from then. But that is past, I think if we play well tomorrow and execute our plan, we will have a good match tomorrow," he said.

Shanto refused to read much into the absence of India's pace spearhead Jasprit Bumrah and Bangladesh's star all-rounder Shakib al Hasan.

The conditions in the UAE are familiar to both the teams but for Bangladesh to have any chance against India, Shanto knows that they will have to have one of the best days in all departments.

"We have to play well in all departments - batting, bowling, fielding - because I think the way we played the last few years in this format, I think we have a good side and as you mentioned the conditions are quite similar. I'm really confident that we will prepare ourselves well."

When asked about Rana, Shanto said he was looking to leading the pace attack on Thursday and that his emergence has motivated the whole bowling unit.

"I think last few matches he bowled really well and bowled fast. And when we see in the ground bowling like this, it helps our whole bowling unit. And it's motivated us.

"He needs to be fit and he can continue his bowling form. We have got another two-three fast bowlers as well," he said.

After their opener in Dubai, Bangladesh will be playing their last two group games in Pakistan, and the conditions there are going to be different.

"Yes, here I think we need to adjust, because if you look at this wicket, probably it's not that high scoring if you compare to Pakistan. So, we have to adjust.

"Recently we played against Pakistan in a Test match in Rawalpindi. We have that experience how the wicket will behave. But as a cricketer, I think we all understand when we need to adjust and how to play the game. I don't think it will be difficult."

Talks around fast-bowling unit

With Rana linking up with the likes of Taskin, a lot of people have started talking about Bangladesh's fast bowling department, and Shanto said factors such as switching to Duke balls and arrival of experts from overseas have contributed to the improvement in the country's pace attack.

"I think the important thing is the wicket and the ball has been changed in first class cricket. We play with the Duke ball, so the fast bowlers wanted to bowl a lot of overs and we get a little bit charged.

"And obviously there is a lot of local coaches and obviously overseas coaches there, so they helped and they motivated the fast bowlers, how they can compete in the international arena."